श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 234, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 20 सितंबर 2022

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

राहुल को कांग्रेस की कमान सौंपेंगे की तैयारी

राहुल को अध्यक्ष बनाने पर 5 राज्यों में प्रस्ताव पास

कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए 23 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी, जबकि 17 अक्टूबर को चुनाव प्रस्तावित

नई दिल्लीः राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ के बाद बिहार और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी को पार्टी की कमान सौंपने के संबंध में प्रस्ताव पास किया है। कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए 23 सितंबर को अधिसूचना जारी होगी, जबकि 17 अक्टूबर को चुनाव प्रस्तावित है। हालांकि पार्टी के भीतर अब तक किसी एक नाम को लेकर सहमति नहीं बनी है।

राहुल ने कहा था- चुनाव बाद इस पर बात करूंगा: भारत जोड़ो यात्रा के दौरान 9 सितंबर को तमिलनाडु में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राहुल ने कहा कि वे चुनाव लड़ेंगे या नहीं, इस पर बाद में बात करेंगे। उन्होंने आगे कहा- मैंने इस पर अपना फैसला कर लिया है, मेरे मन में अब कोई भ्रम नहीं है। चुनाव नहीं लड़ा, तो आपको इसकी वजह भी बता दूंगा।

2019 चुनाव में हार के बाद छोड़ा था अध्यक्ष का पद

: राहुल गांधी 2017 में कांग्रेस के अध्यक्ष बनाए गए थे, लेकिन 2019 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद राहुल ने पद से इस्तीफा दे दिया था। राहुल ने कहा था कि कांग्रेस में जिम्मेदारी लेनी होगी, इसलिए मैं पद छोड़ रहा हूं और किसी को अध्यक्ष बनाया जाए।

कांग्रेस में अध्यक्ष कौन, तीन नाम सबसे आगेः सोनिया गांधी- 2019 में जब राहुल ने कुर्सी छोड़ी तो पार्टी में किसी नाम पर सहमति नहीं बनने के बाद सोनिया को कमान सौंपी गई। पुराने और नए नेताओं के बीच सर्वमान्य होने की वजह से 2024 तक इन्हीं के पास कुर्सी रहने की अटकलें लगाई जा रही है।

राहुल गांधी- कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में सबसे आगे राहुल गांधी का नाम है। हालांकि राहुल कई बार अध्यक्ष बनने से इनकार कर चुके हैं। राहुल पार्टी अध्यक्ष के अलावा कांग्रेस संगठन में महासचिव और उपाध्यक्ष रह चुके हैं।

अशोक गहलोत- गांधी परिवार से किसी के अध्यक्ष नहीं बनने की स्थिति में अशोक गहलोत को कांग्रेस की कमान मिल सकती है। गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं और पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी के बड़े ओबीसी चेहरा होने के साथ-साथ संगठन का भी काफी अनुभव है।

19 अक्टूबर को मिलेगा कांग्रेस को नया अध्यक्षः कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए 17 अक्टूबर को वोटिंग होगी और 19 अक्टूबर को काउंटिंग होगी। चुनावी शेड्यूल के मुताबिक 22 सितंबर को चुनाव संबंधी नोटिफिकेशन जारी होगा। 24 सितंबर से 30 सितंबर तक नॉमिनेशन किए जा सकेंगे। हालांकि अगर अध्यक्ष पद के लिए सिर्फ एक उम्मीदवार होता है तो ऐसी स्थिति में रिजल्ट की घोषणा 30 सितंबर को ही की जा सकती है।

शशि थरूर अध्यक्ष पद का लड़ सकते हैं चुनाव

नई दिल्लीः कांग्रेस में बदलाव की मांग पर समर्थन के बाद शशि थरूर ने सोनिया गांधी से मुलाकात की है। इस दौरान कांग्रेस के कई और नेता भी मौजूद रहे। शशि थरूर और सोनिया की यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि हाल ही में उन्होंने ऐसे संकेत दिए थे कि वे अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकते हैं।

कांग्रेस में बदलाव की पैरवी कर रहे थरूरः हाल ही में कांग्रेस के युवा सदस्यों ने पार्टी में बदलाव के लिए एक ऑनलाइन याचिका दी थी। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद ने ट्विटर पर इसका समर्थन किया है। ट्विटर पर कार्यकर्ताओं की याचिका शेयर करते हुए शशि थरूर ने लिखा, मैं इस याचिका का स्वागत करता हूं। इसमें अब तक 650 से ज्यादा कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर किए हैं। मुझे इसका समर्थन कर, आगे बढ़ाने में खुशी हो रही है।

अध्यक्ष उम्मीदवार से युवा कार्यकर्ताओं को उम्मीदें:

इस ऑनलाइन याचिका में पार्टी के युवा सदस्यों ने सुधारों की मांग की है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष पद के हर उम्मीदवार को यह संकल्प लेना चाहिए कि निर्वाचित होने पर वह उदयपुर नवसंकल्प' को पूरी तरह लागू करेगा। राजस्थान के उदयपुर में मई 2022 में हुए कांग्रेस के चिंतन शिविर के बाद उदयपुर नवसंकल्प' जारी किया था, जिसमें पार्टी के संगठन में कई सुधार सुझाए गए थे। इनमें ह्यएक व्यक्ति, एक पद' और एक परिवार, एक टिकट' की व्यवस्था की बातें प्रमुख हैं।

सीएम मान को जर्मनी में फ्लाइट से उतारा

पैसेंजर्स ने कहा- नशे में धुत थे भगवंत मान, उनकी वजह से फ्लाइट चार घंटे लेट हुई

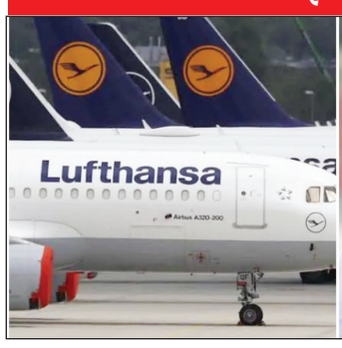

चंडीगढ़ः पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर विमान से नीचे उतारने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। शिरोमणि अकाली दल के चीफ सुखबीर सिंह बादल ने ट्वीट कर मान और केजरीवाल को इस पर सफाई देने को कहा है। उनका कहना है कि इन रिपोर्ट्स ने पंजाबियों को दुनिया भर में शर्मिंदा किया है।

क्या है पूरा मामलाः भगवंत मान 17 सितंबर को जर्मनी से दिल्ली लौट रहे थे। ऐसा कहा जा रहा है कि इसी दौरान फ्रैंकफर्ट एयरपोर्ट पर उन्हें लुफ्थांसा एयरलाइंस के विमान से नीचे उतार दिया गया। वे नशे में थे, इसलिए एयरलाइन ने ऐसा फैसला लिया। लुफ्थांसा वेबसाइट के मुताबिक, यह विमान फ्रैंकफर्ट से शनिवार दोपहर 1.40 बजे रवाना होने वाला था। यह दिल्ली में रात 12.55 बजे लैंड करता, लेकिन इस हंगामे के बाद विमान 4 घंटे की देरी से शाम 5.52 बजे उड़ान भर पाया और सोमवार सुबह 4.30 बजे दिल्ली में लैंड हुआ।

यात्रियों ने कहा- वे नशे में थेः विमान के बाकी यात्रियों के अनुसार सीएम मान ने इतनी शराब पी रखी थी कि वे ठीक से चल नहीं पा रहे थे। उनकी पत्नी और सुरक्षाकर्मी उन्हें संभाल रहे थे। इस वजह से सुरक्षा का हवाला देते हुए मान को नीचे उतार दिया गया। उनके स्टाफ ने कोशिश की कि उन्हें न उतारा जाए, लेकिन फ्लाइट का स्टाफ कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था। एक अन्य यात्री का कहना है कि इस पूरे वाकये के चलते फ्लाइट चार घंटे लेट हुई। सोशल मीडिया पर इसे लेकर सीएम भगवंत मान की आलोचना हो रही है।

आप ने कहा- ये खबर झूठी है, उनकी तबीयत ठीक नहीं थीः आप के मीडिया कम्युनिकेशन के निदेशक चंदर सुता डोगरा ने बताया था कि मुख्यमंत्री की तबीयत ठीक नहीं थी।

इसी वजह से 17 तारीख की बजाय वे 18 तारीख को दिल्ली रवाना हुए। उधर, आप ने इस पूरे मामले को खारिज कर दिया है। सीएम कार्यालय के मीडिया प्रभारी नवनीत वाधवा ने कहा कि यह सब फालतू बातें हैं। मुख्यमंत्री के जर्मनी दौरे के कार्यक्रम के मुताबिक उन्हें 18 सितंबर तक जर्मनी में रहना था।

माफियाओं पर हो कठोर कार्रवाई : सीएम योगी

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को देर रात वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के आला अधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग कर कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति है। इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कानून व्यवस्था की स्थिति को निरंतर सुदृढ़ बनाए रखने के लिए पुलिस बल फुट पेट्रोलिंग करे। पीआरवी-112 एक्टिव रहे।

छोटी-छोटी घटनाओं के प्रति सतर्क दृष्टि बनाकर रखी जाए। ऐसी घटनाओं में त्वरित ढंग से आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिससे वह गंभीर रूप ना लेने पाए। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के प्रति पुलिस निरंतर संवेदनशील रहे। महिलाओं के विरुद्ध अपराध की घटनाओं में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

जे & के: पहली बार वोट डालेंगे पाक शरणार्थी

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पश्चिमी पाकिस्तान से आए शरणार्थियों को जमीन का मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, 1947 के बाद 5,400 परिवार पाकिस्तान से जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में आए थे। अधिकांश हिंदू और सिख थे। ये परिवार कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में बस गए। सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक, 1947 के बाद 5,400 परिवार पाकिस्तान से जम्मू के सीमावर्ती क्षेत्रों में आए थे।

अभी तक जम्मू-कश्मीर का नागरिक नहीं माना जाता थाः 1954 में जम्मू, सांबा और कठुआ में इन्हें 46,666 कनाल (5,833 एकड़) जमीन दी गई थी।

कानून व्यवस्थाः अखिलेश ने निकाला पैदल मार्च

लखनऊ

समाजवादी पार्टी (सपा) ने सोमवार को विधानमण्डल का मानसून सत्र शुरू होने से पहले महंगाई व कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर पैदल मार्च निकाला। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में पार्टी के विधायक व एमएलसी सिर पर लाल टोपी व हाथों में तख्तियां लेकर साथ निकले। मार्च में सपा के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। योगी सरकार के खिलाफ सपा का यह पहला मार्च है जब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव खुद सड़क पर उतरे। समाजवादी पार्टी ने विक्रमादित्य मार्ग स्थित सपा कार्यालय से विधानसभा तक पैदल मार्च की घोषणा की थी। इसको देखते हुए सपा कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस पहले से ही तैनात थी। प्रशासन ने सपा कार्यकताओं को रोकने के लिए विक्रमादित्य मार्ग से लेकर राजभवन तक जगह-जगह बैरीकेडिंग कर रखी थी। इसलिए सोमवार को जैसे ही सपा अध्यक्ष विधायकों व कार्यकताओं के साथ कार्यालय से निकले पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव विधानसभा तक पैदल मार्च करते हुए जाने के लिए अड़े हुए हैं।

5 जजों की बेंच करेगी सजा-ए-मौत पर फैसला

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मौत की सजा से जुड़े मामले पर सुनवाई करते हुए इसके लिए संविधान पीठ बनाने का आदेश दिया। सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने कहा कि ऐसे सभी मामले, जिनमें मौत की सजा विकल्प है उन्हें कम करने वाली परिस्थितियों को रिकॉर्ड में रखना जरूरी है। हालांकि, मौत की सजा को कम करने वाले हालात को आरोप साबित होने के बाद ही दोबारा दर्ज किया जा सकता है।

सजा-ए-मौत से पहले अलग सुनवाई जरूरीः संविधान पीठ बनाने का आदेश देने से पहले बेंच ने कहा कि एक ।

सपा से शिष्टाचार की उम्मीद करना कल्पना जैसा: सीएम योगी

लखनऊः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन की कार्यवाही से पहले मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि किसी भी दल को अपनी बात लोकतांत्रिक ढंग से रखने में कोई बुराई नहीं है। नियमानुसार अगर उन्होंने कोई अनुमति मांगी होगी तो प्रशासन उन्हें जरूर सुविधा मुहैया कराएगा लेकिन समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद करना कल्पना जैसी बात ही है, वह नियमों पर चलें ऐसा बहुत कम ही होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता की बात को सदन में रखकर आम जन की संवेदना के साथ जुड़ने का अवसर सदन में प्राप्त होगा। उत्तर प्रदेश का विधान मंडल देश के किसी भी विधानमंडल से सबसे बड़ा विधानमंडल है। स्वाभाविक रूप से

लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर विश्वास करने वाले सभी नागरिकों को उत्तर प्रदेश विधानमंडल की कार्यवाही का हिस्सा होना गौरव की बात है। यहां पर होने वाली सभी चचाओं का हिस्सा बन कर सभी 25 करोड़ की आबादी के हितों के लिए डबल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। डबल इंजन की सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति को लाभान्वित कर रही है। विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए सरकार ने काम किया है। उत्तर प्रदेश में अराजकता का कोई जगह नहीं है। इसे बहुत गंभीरता से आगे बढ़ाने का कार्य आगे चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना की महामारी से प्रदेश में लड़ा है। उस पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया है। आज सरकार प्रदेश में 38 करोड़ से अधिक वैक्सीन उपलब्ध कराने में भी सफल रही है। प्रकाशन डोज भी लगभग चार करोड़ पहुंचने जा रहे हैं। प्रदेश के अंदर किसी भी आपदा से निपटने के लिए एसडीआरएफ की टीम के गठन के साथ ही बेहतरीन प्रशिक्षण और आपदा में भी कम से कम जनधन की हानि हो।

भाजपा के हुए कैप्टन अमरिंदर

पंजाब लोक कांग्रेस का भी हुआ विलय

चंडीगढ़ः पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उनकी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भी भाजपा में विलय हो गया। इससे पहले उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कांग्रेस से अलग होकर नई सियासी दल बनाया था। कैप्टन की पत्नी परनीत कौर इस समय पटियाला से कांग्रेस सांसद हैं। वह अभी कांग्रेस में ही रहेंगी। बीते विधानसभा चुनाव में कैप्टन ने कांग्रेस से किनारा कर पंजाब लोक कांग्रेस का गठन कर पंजाब में भाजपा के साथ गठबंधन किया था। उस समय उनके बेटे रणइंद्र सिंह ने ही भाजपा के साथ तालमेल कर टिकटों की बंटवारे में अहम भूमिका अदा की थी लेकिन पंजाब में आप की आंधी के सामने कैप्टन की पार्टी उड़ गई ।

खबर संक्षेप

शटर का ताला काट कर मोबाईल शॉप में चोरी

पसना। कोरांव थाना अंतर्गत कपूरी तिराहे पर स्थित मिश्रा टेलीकाम की दुकान का ताला काट कर अज्ञात चोरों ने दुकान में रखे एक दर्जन मोबाईल एवम 5000रू नकद चुरा लिए। दुकान मालिक ने पुलिस को लिखित सूचना देकर बताया कि बीती रात 10बजे वह दुकान बन्द कर घर चला गया था, सुबह जब 9बजे दुकान खोलने गया तो देखा कि शटर खुला है और आरी ब्लेड से तालो को काटकर दुकान में चोरी की गई है। चोरों ने आरी ब्लेड मौके पर ही छोड़ दी थी।

इनोवा के टक्कर से बाइक सवार तीन लोग गम्भीर रूप से घायल

जारी। सोमवार को शाम 4 बजे कौंधियारा थाना क्षेत्र के मैदा मोड़ के पास इनोवा कार की टक्कर से तीन बाइक सवार घायल हो गए मिली जानकारी अनुसार वैशाली बिहार का निवासी मुकेश पुत्र विष्णु चौहान , प्रेमा देवी (उम्र 25 वर्ष)विमला देवी (उम्र 52 वर्ष)मध्यप्रदेश की ओर से अपाचे बाइक से प्रयागराज जा रहे थे तभी मैदा मोड़ पहुँचते ही पीछे से आ रही इनोवा की टक्कर लगने से तीन लोग घायल हो गए सूचना पर पहुँची पुलिस घायलों को नजदीक निजी हॉस्पिटल में इलाज के लिए एडमिट कराया गया।

पारिवारिक कलह से उपजे विवाद में पति ने की पत्नी की हत्या

अखंड भारत संदेश

चौकी पर खुद जाकर पुलिस को दी सूचना

घटना स्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारी

नैनी। डांडी क्षेत्र के पसियाना मोहल्ले में सोमवार की सुबह तैश में आकर पति ने पत्नी की नुकीले सरिया से सर पर मार कर हत्या कर दी और इसकी सूचना खुद चौकी पर जाकर दी। पुलिस के मौके पर पहुंचने पर मृतका की सांसे चल रही थी। पुलिस ने उसे इलाज के लिए एसआरएन भेजा। जहां कुछ देर बाद ही उसकी मौत हो गई। मृतका के भाई की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार ईश्वर भारतीय का बेटा शिवप्रकाश उर्फ बबलू भारतीय पेशे से राजगीर का काम करता है। आठ साल पहले उसकी शादी उटगी,लालापुर निवासी सोनी से हुए थी। उकने तीन बच्चे सुशांत,सौम्या और विमल हैं। पड़ोसियों के अनुसार पति और पत्नी में आए दिन मारपीट होती थी। सोमवार को दस बजे के लगभग सोनी बच्ची को रमा देवी स्कूल टिफिन देकर लौटी तो पति और पत्नी में विवाद शुरू हो गया और आवाज बाहर तक आने लगी।कुछ देर बाद बबलू घर से निकला और लोगो से बताया कि उसने सोनी को मार दिया है। पड़ोसियों ने घर के अंदर जाकर देखा तो सोनी खून में लथपत पड़ी थी। इतनी देर में बबलू गंगोत्री नगर पुलिस चौकी पहुंचा और पुलिस को घटना के बारे में बताया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो सोनी की सांस चल रही थी। जिसे फौरन इलाज के लिए एसआरएन भेजा जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। जिसे पुलिस ने पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस को जांच के दौरान घटनास्थल से नुकीली सरियानुमा चीज बरामद हुई है। घटना की तहरीर मृतका के भाई लोकनाथ ने पुलिस को दी जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

नए सत्र के लिए सदस्यता अभियान- 24 सितंबर से

करछना। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई करछना की मासिक बैठक इस माह की 24 तारीख को आर एन पब्लिक स्कूल नैवा में एक बजे से होगी जिसमें नए सत्र के लिए सदस्यता अभियान का श्रीगणेश किया जाएगा उपरोक्त जानकारी भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की तहसील इकाई करछना के अध्यक्ष राजेंद्र पांडेय एवं महामंत्री लाल चंद प्रजापति ने संयुक्त रूप से मीडिया प्रभारी शिवम मिश्रा के हवाले से दी है श्री मिश्रा ने बताया कि कौवा बाजार एवं कुशगढ़ के बीच करछना कोहड़ारघाट मार्ग पर स्थित आर एन पब्लिक स्कूल में आयोजित की जाने वाली इस बैठक में नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा और तहसील इकाई के पुनर्गठन पर विस्तार से चर्चा होगी तहसील स्तरीय सम्मेलन बुलाने और निष्क्रिय पदाधिकारियों को पदमुक्त करने तथा नए सत्र की संवाददाता डायरी की रूपरेखा बनाने पर विचार विमर्श किया जाएगा श्री मिश्रा ने कहा कि गोष्ठी के उपरांत नवोदित कवियों और पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा उन्होंने तहसील के सभी सदस्यों पदाधिकारियों और जिला मंडल व प्रदेश तथा राष्ट्रीय स्तर के तहसील के जो पदाधिकारी हैं उन्हें सह सम्मान आमंत्रित किया है और बैठक को सफल बनाने की अपील की है।

न्यूज झरोखा

थाना प्रभारी बारा ने पैदल गश्त कर की वाहनों की जांच

बारा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश पाण्डेय के निर्देश पर थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार व इंस्पेक्टर राजेश कुमार सचान ने अपने हमराहियों को लेकर क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली और वाहनों का चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ की। बता दें कि, आगामी त्यौहार चेहल्लुम को लेकर बारा, घुरमी, पिपरांव, ललई,असरवई,चामू से होकर सेहुंडा, नीबी, लोहगरा में पैदल गश्त करते हुए जहाँ लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास दिलाया, वहीं लोगों को बताया कि चेहल्लुम का त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनायें, कोई भी समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें।क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अभद्रता फैलाने वालों को बख्शा नहीं जायेगा।उन्होंने सभी को आपस में मिलजुलकर आपसी सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील की। वहीं उमापुर टोलप्लाजा के पास और सेहुंडा नहर की पुलिया पर वाहनों की चेकिंग कर संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की।

कुएं में गिरी भैंस को ग्रामीणों ने सकुशल निकाला बाहर

करछना। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत गधिंयाव में सोमवार को देर शाम एक किसान की भैंस चरते -चरते पास के एक कुएं के पास चली गई जब तक वहां लोग भैंस को बचाने का प्रयास किया तब तक वह कुएं में गिर गई आसपास के लोगों ने शोर मचाया देखते देखते कुए के पास भारी भीड़ जमा हो गई जिसमें गांव के कुछ साहसी बच्चों ने कुएं में जाकर अंदर भैंस को रस्सी से बांधकर बड़ी मशक्कत के बाद सकुशल बाहर निकाला गया भैंस पूरी तरह सकुशल है हल्की-फुल्की चोटे आई है जिसका इलाज कराया गया बताया जाता है कि इस तरह से गांव में खुले में कई हुए हैं जिससे बेजुबान जानवरों चारे के तलाश में भटकते हुए इस तरह से शिकार हो रहे हैं।

व्यापारियों ने आईजी से मुलाकात कर बताई समस्या

झूंसी। आवास विकास झूंसी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने सोमवार को आईजी जोन राकेश सिंह से मुलाकात कर झूंसी में फायर ब्रिगेड गाड़ी तैनात करने की मांग की। इस दौरान व्यापारियों ने अपनी तमाम समस्याओं को आईजी राकेश सिंह से अवगत कराया। जिसके बाद उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस अवसर पर व्यापार मंडल के अध्यक्ष सूरज कुमार, महामंत्री सुधाकर स्वर्णकार, उपाध्यक्ष हसीम खान, सुदर्शन सचदेवा, मो. अहमद, अजीत कुमार, रवि यादव, महबूब खान, शास्वत सहित दर्जनों व्यापारी उपस्थित रहे।

स्वावलंबी भारत अभियान का किया गया आयोजन

झूंसी। बहादुरपुर ब्लॉक जमुनीपुर स्थित मोतीलाल नेहरू इंटर कॉलेज में सोमवार को स्वावलंबी भारत अभियान का भव्य आयोजन किया गया ।
अभियान में बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं ,अध्यापक व अन्य प्रतिष्ठित लोग मौजूद थे। जिनमे भारतीय मजदूर संघ से मोहित सिंह,भाजपा जिला अध्यक्ष गंगापार अश्वनी दुबे , ब्लाक प्रमुख बहादुरपुर अरुणरेंद्र यादव, चन्द्रविजय ,प्रकाश नारायण, ,बृजेंद्र मणि, ,राकेश, प्राणनाथ, भूपेंद्र सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन संचालक शिक्षक उपेंद्र वर्मा ने किया।

102 एंबुलेंस से भिड़ा ट्रैक्टर ,एंबुलेंस चालक की हालत गंभीर

पसना। बीती रात मरीज पहुंचा कर वापस कौराव जा रही एंबुलेंस को पसना में विपरीत दिशा से आ रहे ट्रैक्टर ने टक्कर मार दिया जिससे एंबुलेंस चालक गंभीर रूप से घायल हो गया,मौके पर ग्रामीणों ने सीट पर फंसे चालक को बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी।ट्रैक्टर चालक मौके पर ट्रैक्टर छोड़ कर भाग गया।घायल चालक को दूसरी एंबुलेंस से उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया। सड़क की पटरी पर बंधे जानवरों की वजह से वाहन चालकों को पास लेने हेतु जगह नहीं रहती,जिसकी वजह से आए दिन इस तरह की दुर्घटनाएं होती हैं। मौके पर पहुंची पुलिस ट्रैक्टर को थाने ले गई।

भाजपाईयों मनाया सेवा पखवाड़ा का तीसरा दिन

जसरा। सोमवार ब्लॉक सभागार जसरा में प्रधानमंत्री के जन्मदिवस सेवा पखवाड़ा के तीसरे दिन भाजपा कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला मंत्री यमुनापार कमलेश त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने देश को कुछ शिखर पर ले जाने का काम किया है आज भारत विश्व के उच्च देशों में गिना जाता है। कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश भाजपा प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा आकांक्षा सोनकर ने प्रधानमंत्री जी के चरित्र चित्रण पर कार्यकताओं को संबोधित किया कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला ने किया व संचालन महामंत्री भूपेंद्र पाठक ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का नीरज केसरवानी ने अभिनंदन किया। मंचासीन बृजमोहन आर्या, जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र सिंह पटेल, राजा बाबू पाठक ने अपने अपने विचार रखे।| कार्यक्रम के दौरान आज भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी के जन्मदिन पर कार्यकताओं ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रधान जसरा आशीष सोनकर, प्रीतम चंद केसरवानी, आलोक द्विवेदी, संगीता राय, अश्वनी द्वेवदी, वीरेंद्र पाठक, राकेश पाठक, विजय बहादुर भदौरिया, दीपचंद्र गुप्ता, सुरेश मिश्रा, अतुल यादव, कल्पना मिश्रा, बबिता सिंह, शंकर लाल गुप्ता, राजन मिश्रा, प्रवीन मालवीय, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति मोर्चा की जिला महामंत्री बनीं रंजना

बारा। बारा तहसील क्षेत्र के रेरा रोड स्थित गंगाधर पब्लिक स्कूल में हुए कार्यक्रम में अनुसूचित मोर्चा की जिलामहामंत्री रंजना भारती को बनाया गया। इस मौके पर अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष राजमणि पासवान एवम जिलाध्यक्ष यमुनापार विभव नाथ भारती ने पदभार ग्रहण कराया। कहा कि महिला युवा शक्ति से ही सशक्त भारत का निर्माण हो सकता है। साथ मे सीमा गौतम, विमला देवी, संगीता देवी, कमलेश कुमार सोनी, कंचन देवी, सरोज देवी ने सदस्यता ग्रहण करते हुए पार्टी के लिए ईमानदारी से कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश सह कोषाध्यक्ष मनोज पासी, विद्यालय संरक्षक दशरथ लाल भारती, सुरेन्द्र सोनकर मंडल अध्यक्ष जसरा, चंद्रशेखर भारती, मनोज भारती, दिलीप पासवान, राकेश आदिवासी, सुरेश आदिवासी, सुरेश सोनकर, आशीष सोनकर, विकास भारती, बृजेन्द्र गौतम सहित विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो पक्षों में जमकर हुई मारपीट, आधा दर्जन घायल

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। कोरांव थाना क्षेत्र के सिकरो गांव के खेलाड़ी का पूरा मजरे में चुनावी रंजिश को लेकर बीते रविवार को रात साढ़े आठ बजे के आसपास दो पक्षों में मारपीट हो गई। एक पक्ष ने छूरे व चाकू से हमला कर आधा दर्जन लोगों को लहूलुहान कर दिया। ग्राम प्रधान सिकरो सुशील कुमार कुशवाहा ने पुलिस को दी गई तहरीर में लिखा है कि मेरे पिता विद्या कांत रविवार को 8:30 बजे के आसपास दुकान बंद कर घर आ रहे थे कि गांव के ही नहर की पुलिया पर पहले से ही घात लगाए बैठे हमलावरों ने छूरी व चाकू से वार कर बुरी तरह से घायल कर दिया। चीख-पुकार व शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी दुकान से घर की ओर तेजी से बढ़े तो पहले से घात लगाए बैठे लोगों ने ज्ञानेंद्र कुमार पुत्र चिंतामणि, विकास कुमार व अरविंद कुमार पुत्रगण रामानुज, शिव जतन पुत्र शोभालाल, विनय कुमार पुत्र विद्या कांत को बारी-बारी से आते गए और चाकू छूरा व सरिया से जानलेवा हमला कर घायल कर दिए। सूचना पर मय फोर्स के साथ कोरांव पुलिस ने पहुंचकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव भेजवाया। मारपीट में कुल 6 लोग घायल हुए हैं। जिनमें 5 को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। रेफर किए गए लोगों में अरविंद, विद्या कांत, बिनय, विकास व शिव जतन शामिल है। हादसे की सूचना के बाद सीओ मेजा विमल किशोर मिश्र कोरांव थाने पहुंचकर कार्रवाई का आश्वासन दिया। देर रात एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित भी कोरांव ने पहुंचकर पीड़ित पक्ष के लोगों को यथोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। देर रात एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने मारपीट के कारणों की जानकारी ली। जिसके बाद उन्होंने अपने बयान में बताया कि प्रथम दृष्टया मामला चुनाव चुनावी रंजिश से जुड़ा प्रकाश में आया है। चुनाव के समय से ही दोनों पक्षों में रंजिश चली आ रही थी। जबकि दूसरे पक्ष का आरोप है कि हम लोगों का आवास आया हुआ था। प्रधान के द्वारा हम लोगों को अपात्र कर दिया गया है। जिसको लेकर मारपीट हुई है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर 4 लोगों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

चुनावी रंजिश

छूरी व चाकू से किये गये जानलेवा हमले में तीन की हालत नाजुक

जानवर को लेकर दो पक्षों में मार पीट आधा दर्जन घायल क्रास केस दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके में जानवर हकाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मार पीट हुई। जिसमें दोनों ओर से तीन तीन घायल हुए हैं। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम बालाडीह निवासनीय सुशीला देवी पत्नी दया राम का आरोप है कि पडोसी की सुअर प्रायः नुक्सान करते हैं। विरोध पर गुरूवार को उसके घर में घुस कर उसे और परिजनों को मारा पीटा गया.। सुशील देवी ने मऊआइमा थाने में प्रभु ,अनुज ,राजू ,मुकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जबकि दूसरे पक्ष के अनुज पुत्र हरिलाल ने मार पीट कर घायल करने का आरोप लगाते हुए दयाराम ,राजेश ,राकेश ,गोलू ,करन ,मुकेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। दोनों पक्षों के घायलों का उपचार स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चल रहा है।

गैस सिलेंडर लदे ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी चालक घायल

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बरदहा बाजार में रविवार रात कोहडार वाया रामपुर मार्ग पर गैस लदे ट्रक की चपेट में आने से स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो। जानकारी के मुताबिक कैथी निवासी गोलू पुत्र सन्ने रविवार रात को सब्जी लेने के लिए बरदहा बाजार गया था। जहां से घर के लिए लौट रहा था तभी पीछे की ओर से ओर से गैस सिलेंडर लादकर आ रहा ट्रक चालक ने अनियंत्रित होकर मार्ग से गुर्जर रहे स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार गोलू गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी होने पर जब तक पुलिस मौके पर पहुंची उससे पहले परिजन आनन-फानन में घायल युवक को पास के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने जिले के अस्पताल में रेफर कर दिया।

पत्रकारों के प्रदर्शन के बाद जागा प्रशासन ,15 दिन में मामले के निस्तारण का दिया आश्वासन

रत्योरा। कोरांव थाना क्षेत्र के खजुरी खुर्द गांव में पत्रकार सुख लाल विश्वकर्मा के पुश्तैनी मकान को कब्जा करने का प्रयास कर रहे दबंगों पर कार्रवाई न होने से नाराज पत्रकारों ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप एक दिवसीय धरना प्रदर्शन तहसील मुख्यालय पर किया। जिसके बाद प्रशासन उल्टे पांव खड़ा हो गया, और 15 दिन के अंदर मामले का निस्तारण करने का आश्वासन दिया। ज्ञातव्य हो कि पत्रकार सुख लाल विश्वकर्मा का खजुरी खुर्द गांव में लबे सड़क पर 70 वर्ष पुराना कच्चा पुश्तैनी मकान स्थित है। जो विगत वर्ष बारिश में ढह गया था। तहसील प्रशासन की ओर से दैवीय आपदा राहत कोष से धनराशि उपलब्ध कराई गई, और प्रधानमंत्री आवास भी स्वीकृत हो गया, किंतु लगभग डेढ़ वर्ष से बगल का ही दबंग पड़ोसी महेंद्र पाल सिंह पत्रकार के पुश्तैनी मकान पर निर्माण कार्य नहीं होने दे रहा है। उसके मुताबिक यह जमीन मेरी है। कई बार नाप पैमाइश हो सीमांकन के बाद भी दबंग पर कोई कार्रवाई नहीं की गई और न ही पत्रकार को निर्माण कार्य करने दिया जा रहा है। इसक बाबत बीते बुधवार को पत्रकारों ने एक सूत्री मांगपत्र एसडीएम कोरांव योगेंद्र सिंह को ज्ञापन सौंपते हुए तीन दिन में मामले के निस्तारण की मांग की थी। तीन दिन में निस्तारण न होने से नाराज पत्रकारों ने पत्रकार संघ कोरांव के बैनर तले तहसील मुख्यालय पर धरने पर बैठ गए। जिसके बाद उप जिलाधिकारी योगेंद्र सिंह ने 15 दिन के अंदर मामले का निस्तारण कराने का आश्वासन दिया है। धरने में प्रमुख रूप से श्यामाकांत शुक्ल, महेंद्र प्रसाद मिश्र, भगवान प्रसाद तिवारी, अजय प्रताप सिंह, रमेश तिवारी, कौशलेश तिवारी, शारदा प्रताप सिंह, सिमलेश पांडेय, राजेश सिंह, मनीष वर्मा, मोहम्मद गौस, साहब लाल कुशवाहा, खेमराज सिंह, महेश पाण्डेय, कई पत्रकार मौजूद रहे।

संक्रमित बीमारी से बचाव का सबसे बड़ा इलाज स्वच्छता : डा.संतोष गुप्ता

सहसों। बरसात के इस लगातार मौसम में संक्रमित बीमारी के लिए स्वच्छता ही सबसे बचाव का बड़ा तरीका है। बरसात के इस मौसम में तरह-तरह की नई बीमारियां जैसे डेंगू , सीजनी बुखार , कोरोना, टाइफाइड , मलेरिया, आंतों में संक्रमण लीवर में संक्रमण जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाती है। उक्त बातें डफरिन अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संतोष गुप्ता ने सहसों स्थित हरि ओम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित निशुल्क परामर्श कैम्प में कही। उन्होंने कहा इस मौसम में बच्चे सबसे ज्यादा संक्रमित बिमारियों के चपेट में आ रहे हैं। ऐसी बीमारियों के बचाव के लिए स्वच्छता बहुत ही आवश्यक है। इस मौके पर कैम्प के आयोजक डॉ अमित यादव ने कहा बरसात के इस मौसम में संक्रमण का खतरा बहुत ज्यादा होता है। उन्होंने कहा इस मौसमी बीमारी से बड़े, बुजुर्ग खास तौर पर बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, बीमारियों से बचने के लिए गर्म पानी का उपयोग करें, घर में साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें, घर के अगल-बगल दूषित जल न जमा होने दें, पूरी बांह की शर्ट पहने एवं मौसमी फल ताजी सब्जी का ही सेवन करें, बाजार की बनी हुई खानपान की वस्तुएं खाने से परहेज करें तथा घर का बना ताजा भोजन करें और विशेषकर नाश्ते की दुकानों पर खुले पानी पीने से बचें। इस अवसर पर डॉ दिलीप, जितेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, नीरज पांडे, शिवा पाल, राकेश कुमार, जय सिंह सहित आदि मुख्य रूप से रहे।

करछना अंचल के प्रमुख मार्गो एवं गांव मजरों की सड़कों की बदलेगी तस्वीरः डॉ.पांडेय

अखंड भारत संदेश

क्षेत्र के कई सड़को,संपर्क मार्गो का भाजपा कार्यकताओं ने किया लोकार्पण

करछना। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को लेकर करछना में लगातार सड़को का जाल बिछ रहा है और सांसद डा0रीता बहुगुणा जोशी के प्रयास से करछना की तस्वीर बदल रही है।आने वाले समय में कोई भी गांव और मजरा अच्छी सड़क से अछूता नही रहेगा।यह बातें क्षेत्र के बरदहा प्राइमरी स्कूल से खजुरी रोड़ गोसाई का पूरा मार्ग के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान जागृति मिशन के संयोजक व भाजपा नेता डॉ.भगवत पांडेय ने कही।उन्होने इसके लिए प्रयागराज की सांसद को बधाई दी।मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने कहा कि जिस तरह से हेमवती नंदन बहुगुणा ने कभी पूरे क्षेत्र में नहरों का जाल विछाकर सिंचाई जैसी गंभीर समस्या का निदान किया।इसी तरह वर्तमान सांसद ने भी कई सड़कों को क्षेत्र के सुदूर गांवों से जोड़ने का महनीय कार्य किया है।जिसमें विधायक करछना पीयूष रंजन निषाद का भी सराहनीय प्रयास रहा।करछना का यह विकास 2024 में भी प्रधानमंत्री को संबल देगा।इसके पूर्व लोकार्पण समारोह में अस्वथ्य होने के कारण सांसद डा0रीता बहुगुणा जोशी तो नही पहुंच पाई किंतु उनके द्वारा भेजा गया आडियो लोगों को सुनाया गया।जिसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जनपद को दी गई 41 सड़कों में 37 सड़कें केवल जमुनापार में बनाये जाने की बात कही गई।कार्यक्रम में अधिशाषी अभियंता इं0राम अधार ने बताया कि उक्त योजना में कई जरूरी सड़कें बनकर तैयार हैं और ग्रामीणों के लिए उपलब्ध है।इस दौरान भाजपाइयों ने हनुमानपुर मोरी से भगनपुर,कौवा बाजार से गोसाई का पूरा, बरदहा से कुंजल बैस का पूरा समेत कई सड़कों का लोकार्पण किया।संचालन भाजपा के जिलामंत्री राजेश शुक्ला ने किया।इस मौके पर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी,संत प्रसाद पांडेय,त्रिवेणी प्रसाद पांडेय,रामतौल पटेल,ज्ञान सिंह पटेल,विनोद प्रजापति,रंगबली पटेल,मुंकुदलाल सोनकर,राम भवन द्विवेदी,रिंकू सिंह,राघवेंद्र मिश्रा,राजेश त्रिपाठी,पुष्पराज सिंह,राज कुमार मिश्रा,कमला शंकर त्रिपाठी, समेत पार्टी कार्यकर्ता और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सतत परिवर्तन के सूत्रधार बने शिक्षक : ओम प्रकाश मिश्र

अखंड भारत संदेश

शिक्षकों को किया गया सम्मानित

कौड़िहार ब्लाक में शिक्षकों को सम्मानित कर दिया गया प्रमाण पत्र।

कौड़िहार ब्लाक में प्रशिक्षण लेते शिक्षक एवं शिक्षिकाएं।

लालगोपालगंज। विकासखंड कौड़िहार के बुनियादी भाषा एवं गणित से संबंधित निपुण भारत मिशन के प्रशिक्षण में उपरोक्त उद्गार खंड शिक्षा अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र ने व्यक्त किया और कहा कि शिक्षक चाहें तो अपने प्रयास से विकासखंड की तस्वीर बदल सकते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी द्वारा मां सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। खंड शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश मिश्र ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी महोदय को बुके देकर उनका अभिनंदन किया साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष राधेकृष्ण, पूर्व अध्यक्ष राजेश शुक्ला, बालेंद्र पांडे, रामलाल प्रजापति, आदि ने भी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया। आधारभूत बुनियादी भाषा एवं गणित शिक्षण हेतु शिक्षक प्रशिक्षण संचालित है जिसमें प्राथमिक विद्यालयों के लगभग 891 शिक्षक 50 - 50 के समूह में शासन द्वारा भेजे गए 22 सप्ताह के कार्यक्रम के तहत भाषा एवं गणित पढ़ाने के सरल तरीके सीखेंगे। आज के कार्यक्रम में कुल 100 शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। संदर्भ दाता के रूप में जयसिंह, प्रभाशंकर शर्मा, विष्णु मिश्रा, अजमल अमीन अंसारी, अवनीश सिंह सत्यांजलि मिश्रा ने दो कक्षा कक्षों में 50 -50 के बीच में प्रशिक्षण दिया। यह चार दिवसीय प्रशिक्षण 5 चरणों में दिनांक 14 अक्टूबर तक गतिमान रहेगा। प्रशिक्षण के उपरांत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने ग्राम पंचायत अटरामपुर के जयप्रकाश मौर्य को विद्यालय कायाकल्प में बेहतर कार्य करने के लिए सम्मानित किया। इसी कड़ी में बीआरसी के अच्छे कर्मचारी के रूप में राजेश पटेल को सम्मानित किया गया। शिक्षकों के द्वारा रोचक शिक्षण के साथ विद्यालय में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए कुल 8 शिक्षकों को सम्मानित किया गया जिसमें अविनाश कुमार प्राथमिक विद्यालय नवाबगंज, वंदना, नीलू सिंह, अर्चना, डॉक्टर मृदुला त्रिपाठी, पूनम मिश्रा आदि को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने अध्यापकों की समस्याओं को लेकर खुले सत्र का आयोजन किया। जिसमें अध्यापकों ने अपनी उपलब्धियों एवं विद्यालय में किए जा रहे कार्यों के साथ आ रही चुनौतियों का जिक्र किया।

भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है : अवनीश महाराज

जंघई। श्रीमद्भागवत संगीतमय कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह सेमरी डीह गांव में समापन दिवस पर कथा व्यास आचार्य अवनीश भाई जी महाराज श्रीधाम वृंदावन ने सुदामा चरित्र एवं परीक्षित मोक्ष पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न प्रसंगों पर कथा का श्रवण भक्तों को कराया। जिसमें प्रभु श्रीकृष्ण के 16 हजार शादियों के प्रसंग के साथ, कृष्ण सुदामा प्रसंग और परीक्षित मोक्ष की कथा सुनाई कथा को सुनकर सभी भक्त भाव विभोर हो गए।कथा समापन के दौरान महाराज ने भक्तों को भागवत को अपने जीवन में उतारने की बात कही जिससे सभी लोग धर्म की ओर अग्रसर हो। सुदामा चरित्र के माध्यम से भक्तों के सामने दोस्ती की मिसाल पेश की और समाज में समानता का संदेश दिया। साथ ही भक्तों को बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का सात दिनों तक श्रवण करने से जीव का उद्धार हो जाता है।इस अवसर पर मुख्य यजमान विजय कुमार शर्मा, जय देवी एवं अजय शर्मा द्वारा प्रति दिन आने वाले भागवत भक्तों को आरती प्रसाद वितरण कराते हुए आभार प्रकट किया गया।इस अवसर पर प्रधान सेमरी प्रमोद गुप्ता, एडवोकेट कुशलेश दुबे, मनीष शुक्ला, आचार्य चंद्रेश उपाध्याय, आचार्य लाडले महाराज, अंशुमान शुक्ला, परमिल दुबे, अजीत शर्मा, मुकेश शर्मा, अभिषेक शर्मा सहित सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मजदूरी न मिलने पर मनरेगा मजदूरों ने डीएम से किया शिकायत

मेजा रोड। मनरेगा की मजदूरी न मिलने पर मजदूरों ने जिलाधिकारी से लिखित शिकायत की। अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में मनरेगा मजदूरों ने ग्राम प्रधानऔर रोजगार सेवक पर पैसा निकालने का आरोप लगाते हुए जांच कराकर दोषी प्रधान एवं रोजगार सेवक पर कार्रवाई करने की मांग की है। उरुवा विकास खंड क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत चिलबिला में मनरेगा मजदूर ढोलना देवी उषा देवी प्रेमा देवी तथा पानकली ने ग्राम प्रधान और रोजगार सेवक पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उनके खाते में आए मजदूरी का पैसा आधार कार्ड लेकर निकाल लिया है। मजदूरों ने जब उच्चाधिकारियों से शिकायत की बात की तो प्रधान द्वारा पैसा लौटाने को कहा गया। मजदूरों ने बताया कि महीनों बीत जाने के बाद उनके मजदूरी का पैसा ग्राम प्रधान द्वारा वापस नहीं किया गया।जिसकी शिकायत मजदूरों ने जिलाधिकारी प्रयागराज, मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज, परियोजना निदेशक नरेगा तथा खंड विकास अधिकारी उरुवा एवं ब्लाक प्रमुख उरुवा से करते हुए मामले की जांच कराकर दोषी ग्राम प्रधान तथा रोजगार सेवक के खिलाफ उचित कार्यवाही की मांग की है।

जिलाधिकारी सहित कई विद्यालयों के छात्र छात्राओं ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

जनसामान्य के अवलोकन हेतु प्रदर्शनी का आयोजन 23 सितम्बर तक रहेगा

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री, सोमवार को अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्थान, अलोपीबाग में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सौजन्य से 23 सितम्बर तक चलने वाली मा0 प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी, आमजन एवं स्कूली बच्चों के लिए बहुत ही प्रेरणादायी एवं उपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के अवलोकन के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक एवं प्रेरित किया जाये, जिससे कि लोग प्रदर्शनी स्थल पर पहुचंकर मा0 प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सम्बंधित चित्र प्रदर्शनी से प्रेरणा लें एवं योजनाओं से सम्बंधित चित्र प्रदर्शनी से योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उससे लाभान्वित हों। सोमवार को प्रदर्शनी स्थल पर विभिन्न विद्यालयों जिनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय अलोपीबाग, प्राथमिक विद्यालय सोहबतियाबाग, उच्च प्राथमिक विद्यालय दारागंज, राजकीय इण्टर कालेज, सीएवी इण्टर कालेज, राधारमण इण्टर कालेज सहित अन्य विद्यालयों के काफी संख्या में छात्र-छात्राएं भी पहुंचकर प्रदर्शनी का बड़े ही तन्मयता से अवलोकन करते हुए प्रदर्शनी के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ सम्बंधित विद्यालयों के अध्यापकगण एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्री पी0एन0 सिंह सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी को देखा। इसके साथ-साथ काफी संख्या में आमजनमानस भी प्रदर्शनी स्थल में पहुंचकर प्रदर्शनी को देखा। उल्लेखनीय है कि 23 सितम्बर तक चलने वाली प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि योजना, उज्जवला योजना, सौभाग्य योजना, निःशुल्क टीकाकरण, हर घर नल योजना, स्वच्छ भारत, सोलर पॉवर पम्प, वाटर ग्रिड, साबरमती रिवर फ्रंट, सरदार सरोवर डैम, ग्लोबल विजन, जल संरक्षण, अमृत सरोवर, एक भारत श्रेष्ठ भारत, हर घर तिरंगा कार्यक्रम, निःशुल्क टीकाकरण सहित अन्य योजनाओं/ कार्यक्रमों से सम्बंधित चित्र प्रदर्शनी लगायी गयी है। इस अवसर पर सूचना विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारीगणों के अलावा मा0 जनप्रतिनिधि/ पदाधिकारी गणों सहित काफी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा आमजन उपस्थित रहे।

स्कूल के लिए निकली दो छात्राएं गायब

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र में सोमवार को घर से स्कूल के लिए निकली दो किशोरी गायब बताई जा रही है। दोनों के परिजनों ने अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए मामले की शिकायत पुलिस की है। बताया जाता है कि पटेल नगर स्थित एक इंटर कालेज में कक्षा 9 में पढ़ने वाली दो लड़कियां सोमवार को घर से स्कूल के लिए निकली थी। शाम तक घर नही लौटी तो परिजन खोजने लगे पर उनका कही पता नही चला। तो मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस जांच कर रही है।

कार्यालय, नगर पालिका परिषद मंझनपुर, जनपद कौशाम्बी

ई–निविदा सूचना

पत्रांकः 691 (4)/न.पा.परि.मंझनपुर/ई–निविदा/2022 दिनांक 19.09.2022

स्वायत्त निकाय/पब्लिक सेक्टर विभाग/राज्य सरकार एवं केन्द्र सरकार के अन्तर्गत आने वाले किसी भी शासकीय विभाग में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म को सूचित किया जाता है कि /झील/तालाब/पोखर /पेयजल/15वां वित्त निधि/राज्य वित्त आयोग मद में प्राप्त धनराशि के सापेक्ष शासन/जिलाधिकारी महोदय, कौशाम्बी के अध्यक्षता वाली समिति द्वारा स्वीकृत कार्यों हेतु ऑनलाइन ई–निविदा निम्न कार्यक्रम के अनुसार आमंत्रित किया जाता है:–

क्र. सं.	निविदा का विवरण	दिनांक	समय
1.	ई–निविदा वेबसाइट पर निविदा आमंत्रित की तिथि/समय	20.09.2022	अपरान्ह 02.00 बजे से
2.	ई–निविदा अपलोड किये जाने की प्रारम्भ तिथि/समय	21.09.2022	अपरान्ह 02.00 बजे से
3.	ई–निविदा अपलोड किये जाने अंतिम तिथि/समय	29.09.2022	अपरान्ह 05.00 बजे से
4.	ई–निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र जमा करने की तिथि/समय	30.09.2022	अपरान्ह 12.00 बजे तक
5.	ई–निविदा तकनीकी बिड खोले जाने की तिथि/समय	30.09.2022	अपरान्ह 03.00 बजे से
6.	ई–निविदा वित्तीय बिड खोले जाने की तिथि/समय	30.09.2022	अपरान्ह 04.00 बजे से

उपरोक्त ई–निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाइट http://etender.up.nic.inतथा www. nppmanjhanpur.in से डाउनलोड कर अथवा नगर पालिका परिषद, मंझनपुर के कार्यालय से सम्पर्क कर किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

(ओम प्रकाश पटेल)
अवर अभियन्ता (सिविल)
न. पा. परि. मंझनपुर, कौशाम्बी

(सुनील कुमार मिश्र)
अधिशासी अधिकारी
न. पा. परि. मंझनपुर, कौशाम्बी

(प्रखर उत्तम)
प्रशासक
न. पा. परि. मंझनपुर, कौशाम्बी

पूरामुफ्ती पुलिस की बदमाशों से हुई मुठभेड़

आधी रात को तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़, सात निर्मित तीन अर्द्ध निर्मित तमंचा के साथ उपकरण व बाइक पुलिस ने की बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। रविवार की रात पूरामुफ्ती पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ के बाद अवैध तमंचा फैक्ट्री का भंडाफोड़ पुलिस ने किया है। तमंचा फैक्ट्री से पुलिस ने 7 निर्मित तमंचा और तीन अर्द्ध निर्मित तमंचा के साथ तमंचा बनाने के उपकरण और बाइक बरामद की है पुलिस ने तमंचा फैक्ट्री संचालित कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है पुलिस मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्यवाही में एक बदमाश रत्नेश उर्फ नकलेश के घुटने के नीचे गोली लगी जबकि भाग रहे दूसरे बदमाश गोलू पुत्र राम सुमेर निवासी मातपुर थाना पूरामुफ्ती को पुलिस के जवानो ने दौड़ाकर पकड़ लिए। पूरामुफ्ती पुलिस द्वारा घायल बदमाश रत्नेश उर्फ नकलेश पुत्र रमेश चंद्र निवासी मातपुर को इलाज हेतु एसआरएन हॉस्पिटल भेजा गया उपचार के बाद लिखा पढ़ी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया उसके पश्चात वहां से दोनों बदमाशों को जेल भेज दिया गया ।जानकारी के अनुसार पूरामुफ्ती थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह रविवार की रात पुलिस बल के साथ मनौरी केंद्रीय विद्यालय के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे उसी दौरान मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि कुछ लोग सफदर गंज के पास भट्ठे में रात का फायदा उठाकर सरपत के आड़ में बैठकर अवैध शस्त्र का निर्माण कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद तत्काल मौके पर पहुंचकर पूरामुफ्ती पुलिस के जवानो ने चारो तरफ से बदमाशों को घेर लिया। दोनों बदमाश अपने आपको चारो तरफ से घिरा हुआ देखकर पुलिस बल के ऊपर फायर झोंक दिया जवाबी कार्यवाही में रत्नेश उर्फ नक्लेश पुत्र रमेश चंद्र के घुटने के नीचे गोली लगी। दोनों बदमाश जहां पर अवैध शस्त्र का निर्माण कर रहे । से सात अवैध निर्मित शस्त्र एवं तीन अर्धनिर्मित अवैध शस्त्र एक अपाचे बाइक साथ ही साथ कई करतूस और हथौड़ा, लोहा काटने की मशीन सहित अवैध शस्त्र निर्माण में प्रयोग होने वाले अन्य उपकरण बरामद हुआ।

तीन बाइक, 17 एंड्रॉयड मोबाइल व लैपटॉप समेत पांच अभियुक्त गिरफ्तार

प्रयागराज। मनौरी प्रयागराज पूरामुफ्ती पुलिस ने लूट की तीन मोटरसाइकिल 17 एंड्रॉयड मोबाइल फोन लैपटॉप व अन्य सामानों के साथ पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है मामले का खुलासा प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस ने किया है ।लूट करने वाले 05 अभियुक्त लूटे गये माल को बेचने व नयी लूट की योजना बना रहे थे थानाध्यक्ष पूरामुफ्ती के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अमित कुमार गुप्ता मय हमराह पुलिस बल द्वारा दिनांक-18/19 सितम्बर की रात्रि मन्दर मोड़ पर चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मंदरी पंतरवा तिराहा थाना क्षेत्र पूरामुफ्ती में बदमाश किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सेराज अहमद पुत्र सबी अख्तर निवासी पंतरवा बमरौली थाना पूरामुफ्ती राजेश कुमार पुत्र बाबू लाल निवासी शेखसरवां थाना पूरामुफ्ती रोहित आर्या पुत्र ननकू आर्या निवासी लाहुरपार थाना पूरामुफ्ती अजय कुमार पुत्र मानिक चन्द्र निवासी भवानीदीन तालाब के पास पंतरवां थाना पूरामुफ्ती सूरज कुमार पुत्र स्व0 सांवलदास निवासी पंतरवा थाना पूरामुफ्ती सभी निवासी जनपद प्रयागराज को लूट की योजना बनाते एवं लूटे गये माल को बेचने हेतु योजना बनाते समय पुलिस ने गिरफ्तार किया है अभियुक्तगण के कब्जे से लूट की घटनाओं में प्रयुक्त 03 मोटर साइकिल, 01 टैबलेट, लूटे गये भिन्न-भिन्न कम्पन्नियो के 17 एण्ड्रॉयड व 04 कीपैड फोन व 1700/ रू0 नकद पुलिस ने बरामद किया है पकड़े गए अभियुक्तों को पुलिस ने जेल भेज दिया है । पुलिस ने बताया कि इस गैंग के सदस्यों द्वारा घटना करने हेतु मोटर साइकिलो में गलत अस्पष्ट नम्बर प्लेट का उपयोग किया जाता है। यह लोग इन्हीं मोटर साइकिलों से रैकी कर सरल स्थानों से लूट की घटना को कारित करते हैं। लूटे गये मोबाइल फोन एवं टैबलेट को राह चलते भोले-भाले लोगों को अपनी मजबूरी का वास्ता देकर सस्ते दामों में बेच देते है तथा बिक्री से प्राप्त रूपयों का आपस में बँटवारा कर लेते हैं।

न्यूज झरोखा

घर के बाहर से लापता हुई किशोरी चौफटका पुल के नीचे मिली

प्रयागराज। पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के बिहका उर्फ पूरामुफ्ती से घर के बाहर खड़ी जितेंद्र पटेल की ग्यारह वर्षीय पुत्री मुस्कान पटेल सोमवार की सुबह घर के बाहर से अचानक गायब हुई किशोरी चौफटका पुल के नीचे अकेली खड़ी हुई मिली। घर के बाहर से किशोरी के अचानक गायब हो जाने से परिजनों के बीच हड़कंप मच गया। आस - पास खोजने के बाद परिजन के साथ सैकड़ों की संख्या में स्थानीय लोग पूरामुफ्ती थाना पहुंचकर मुकदमा पंजीकृत करने के साथ किशोरी को खोजने की मांग करने लगे। काफी तादात में लोगों की भीड़ देखकर पूरामुफ्ती पुलिस के हांथ - पांव फूल आए। तत्काल हरकत में आई पूरामुफ्ती पुलिस मुखबिरों का जाल बिछा दिया कुछ घंटे के बाद पूरामुफ्ती पुलिस को सूचना मिली कि किशोरी चौफटका पुल के नीचे अकेली खड़ी है। मौके पर पूरामुफ्ती पुलिस पहुंचकर किशोरी को सकुशल बरामद किया। किशोरी से पूंछ - ताछ जारी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

बारा। बारा थाना क्षेत्र के बारा खास चौराहे के पास मुख्य सड़क मार्ग पर स्थित क्षेत्राधिकारी बारा के कार्यालय के ठीक सामने अज्ञात वाहन से छिड़ी निवासी शशांक शुक्ला पुत्र राम कीर्ति शुक्ला रात्रि में बारा अपने घर के लिए जा रहा था जैसे ही वह क्षेत्राधिकारी बारा के कार्यालय के सामने पहुंचे किसी अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिससे शशांक शुक्ला का सर फट गया जैसे ही जानकारी मिली बारा पुलिस एवं परिजन मौके पर पहुंच गए शशांक को लेकर जसरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे लेकिन शशांक की मौत हो चुकी थी पूरे गांव में मातम का सन्नाटा छा गया बारापुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजने की कार्यवाही शुरू कर दी थी।

सुलह करने के लिए धमकी देने वालों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

झूंसी। क्षेत्र में आठ माह पहले एक किशोरी के साथ हुई छेड़खानी के मामले में आरोपी के परिजन द्वारा पीड़िता परिवार को धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। किशोरी की माँ की शिकायत पर पुलिस ने धमकी देने वाली एक महिला व पुरुष पर मामला दर्ज किया है। आठ माह पहले जनवरी में क्षेत्र की एक महिला ने अपने पड़ोस में रहने वाले विकास नामक युवक पर आरोप लगाया था कि विकास उसकी 9 वर्षीय बेटी के साथ दरिंदगी करना चाह रहा था। बेटी के रोने पर वह भाग निकला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जेल भेज दिया था। आरोप है कि तब से आरोपी का परिवार पीड़िता के परिजनों को सुलह समझौते के लिए धमकी दे रहा है। जिससे पीड़ित परिवार डरा हुआ है। सोमवार को मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है पुलिस ने छेड़खानी के आरोपी विकास की माँ तारा देवी व उनके चाचा सीरिया के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

कार्यालय ग्राम पंचायत रेरा वि. ख. जसरा, प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा

पत्रांकः मेमो/मनरेगा/ राज्य वित्त/ मुख्यमंत्री पुरस्कार/ नि./2022-23/ दिनांक

महात्मागांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना/राज्य वित्त/15वां वित्त योजना अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 28–05–2022 से 13–06–2022 तक सायं 4 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 13–06–2022 को सायंकाल 4.30 पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का विवरण	ग्राम पंचायत	योजना/ मद	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा मूल्य रू. में	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
1.	भानू सिंह के घर से तालाब तक ह्यूम पाइप नाली	रेरा	मनरेगा/राज्य / 15वां वित्त	125000	500	2500	1 माह
2.	अम्बेडकर भवन सचिवालय में टाईल्स, पेंटिंग एवं मरम्मत कार्य	रेरा	मनरेगा/राज्य / 15वां वित्त	300000	500	6000	1 माह
3.	ग्राम पंचायत रेरा में गाटा सं. 958 में बैरीकेटिंग का कार्य	रेरा	मनरेगा/राज्य / 15वां वित्त	250000	500	5000	1 माह
4.	विनय के घर से काली रोड तक नाली निर्माण	रेरा	मनरेगा/राज्य / 15वां वित्त	200000	500	4000	1 माह

सामान्य शर्तें:– 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदा दाता/कोटेशन दाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जीएसटी नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण निविदादाता/ कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप में एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा।4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 13.06.2022 तक पूर्वान्हन 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यों के लिए अलग–अलग निविदा/कोटेशन स्वीकार्य की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। 8. सामाग्री की मात्रा/धनराशि घट – बढ़ सकती है।

नोट–निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय रेरा से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यलय रेरा में समस्त निविदाएं भी खोली जायेगी।

महादेव सिंह
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत रेरा
वि. ख. जसरा, प्रयागराज

बृजेन्द्र सिंह
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत रेरा
वि. ख. जसरा, प्रयागराज।

कार्यालय ग्राम पंचायत कांटी वि. ख. जसरा, प्रयागराज

अल्पकालीन निविदा

पत्रांकः मनरेगा/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त/नि./2022-23/ दिनांक

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त योजना अन्तर्गत वर्ष 2022–23 में प्रस्तावित निम्नलिखित कार्यों हेतु सामग्री आपूर्ति पंजीकृत एवं अधिकृत विक्रेता से दिनांक 20–09–2022 से 06–10–2022 तक सायं 4 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। दिनांक 06–10–2022 को सायंकाल 4.30 पर निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर निविदादाताओं एवं प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र0	कार्य का विवरण	ग्राम पंचायत	योजना/ मद	अनुमानित लागत (लाख में)	निविदा मूल्य रू. में	धरोहर राशि	कार्य की अवधि
1.	शिवशंकर के घर से इन्द्रमणि के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
2.	रामकिर्तन के घर से विजय शंकर के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
3.	मंदिर से इन्द्रमणि के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
4.	मेन गेट से गौवंश आश्रम स्थल तक WBM कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	400000	500	4000	1 माह
5.	कुँवर बहादुर के घर से इन्द्रमणि के घर के पास तक नाली निर्माण	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	200000	500	5600	1 माह
6.	रोहित के घर से तालाब तक नाली निर्माण	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	280000	500	3000	1 माह
7.	सामुदायिक शौचालय की बाउण्ड्री वाल एवं इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	150000	500	4000	1 माह
8.	द्वारिका बिन्द के घर से समरजीत के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	200000	500	10000	1 माह
9.	बड़ेभाई के घर से विश्वनाथ बिन्द के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
10.	रामू के घर से सुबाष बिन्द के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
11.	शंकर लाल के घर से भाई लाल के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह
12.	पंचायत भवन में बाउंड्रीवाल एवं मरम्मत कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	300000	500	6000	1 माह
13.	अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल में नाली निर्माण कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	200000	500	4000	1 माह
14.	अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल में बैरिक निर्माण कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	300000	500	6000	1 माह
15.	प्रा. वि. कांटी में मल्टीपल, हैण्डवास रनिंग वाटर, शौचालय मरम्मत कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	200000	500	4000	1 माह
16.	प्रा. वि. ठनठनवा में मल्टीपल, हैण्डवास रनिंग वाटर, शौचालय मरम्मत कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	200000	500	4000	1 माह
17.	प्रा. वि. कांटी में MDM शेड निर्माण कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	400000	500	8000	1 माह
18.	बुदुल सोनकर के घर से विजयरानी के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	कांटी	मनरेगा/राज्य/ 15वां वित्त	500000	500	10000	1 माह

सामान्य शर्तें:– 1. कार्य की सम्पूर्ण जानकारी किसी भी कार्य दिवस में ग्राम विकास अधिकारी कार्यालय से ली जा सकती है। 2. निविदा दाता/कोटेशन दाता को समस्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र जीएसटी नम्बर के साथ रजिस्ट्रेशन प्रमाण निविदादाता/ कोटेशन के साथ संलग्न करना होगा। 3. निविदा धरोहर धनराशि 2 प्रतिशत जमानत के रूप में एफ.डी.आर./एन.एस.सी. जमा करना होगा।4. निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय दिनांक 06.10.2022 तक पूर्वान्हन 12.00 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। 5. किसी निविदा/कोटेशन को निरस्त करने का सर्वाधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। 6. सभी कार्यों के लिए अलग–अलग निविदा/कोटेशन स्वीकार्य की जायेगी। 7. सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। 8. सामाग्री की मात्रा/धनराशि घट – बढ़ सकती है।

नोट–निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय कांटी से प्राप्त की जा सकती है एवं ग्राम पंचायत कार्यलय कांटी में समस्त निविदाएं भी खोली जायेगी।

लालचन्द्र
(ग्राम प्रधान)
ग्राम पंचायत कांटी
वि. ख. जसरा, प्रयागराज

जितेन्द्र कुमार गौड़
ग्राम पंचायत/विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कांटी
वि. ख. जसरा, प्रयागराज।

धाम के विकास के लिये प्रबंध समिति करेगी सामूहिक सत्याग्रह

भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की प्रबन्ध समिति की बैठक बारादरी में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक राज नारायण मिश्र ने की।

बैठक में तय हुआ कि प्रबन्ध समिति सदस्य गण व धाम व धाम से जुडी प्राचीन सामलाती सार्वजनिक भूमि का व्यापक जनहित में विकास करने तथा बकुलाही नदी की प्राचीन 21.4 किमी0 धारा के सदानीरा हेतु डायवर्जन चेकडैम बनाने के लिए जिला प्रशासन से आग्रह करने हेतु एक अक्टूबर को तहसील सदर में आयोजित समाधान दिवस में सामूहिक अपील व सत्याग्रह करेंगे।

धाम में आयोजित बैठक में बोलते महासचिव समाज शेखर।

बैठक का संयोजन अध्यक्ष राजकुमार शुक्ल व संचालन महासचिव समाज शेखर ने किया। बैठक में भयहरणनाथ धाम बैदिक ऋषि कुलम के मान्यता व संचालन आदि पर चर्चा हुई। विद्यालय के व्यवस्थापक राज कुमार शुक्ल ने बताया कि अभी मान्यता नही मिली है। प्रयागराज में एक ट्रस्ट हमने बनाया है जिसका पंजीकरण उडीसा में कार्यरत एक धर्मगुरू के साथ मिलकर कराया है जिसका पंजीकरण 80 जी व 12 ए में भी कराया है। लोगों से सहयोग लेकर इस कार्य को करने की हमारी योजना है। जिस पर प्रबन्ध समिति सदस्यों ने कहा कि निजी अथवा धाम की प्रकृति से पृथक संस्था धाम में सहयोग कर सकती है।

बैठक में महासचिव समाज शेखर ने कहा कि धाम आने जाने के मार्ग का विकास पडोसी जनपद प्रयागराज से काफी अच्छा हो गया है परन्तु अभी भी प्रतापगढ जनपद से आने वाले लोगों को पूरेतोरई व कटरा गुलाब सिंह से आने मे बडी कठिनाइयों से आवागमन होता है। जिस पर कोषाध्यक्ष लालजी सिंह ने बताया कि विधायक जीतलाल द्वारा सरदार पटेल चैराहा कटरा गुलाब सिंह से भयहरणनाथ धाम तक चैडीकरण में प्रस्तावित किया गया है, जिस पर सभी ने प्रसन्नता जाहिर की। बैठक में प्रमुख रूप से उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष मीडिया प्रताप बहादुर सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम उमाकान्त पाण्डेय, उपाध्यक्ष वित एवं लेखा राजीव नयन मिश्र, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, सचिव प्रशासन पूर्व प्राचार्य चिन्तामणि त्रिपाठी, सह कोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य, प्रबन्ध समिति सदस्य पूर्व प्रधान सुरेन्द्र सिंह, सूरज मिश्र, बलवंत सिंह, गंगाराम पाण्डेय, देवेन्द्र नारायण मिश्र व स्वच्छता प्रभारी नीरज मिश्र, अवधेश मिश्र मौजूद थे।

हिंदी साहित्य भूषण की मानद उपाधि से विभूषित हुए प्रेम कुमार, साहित्यकारों में खुशी की लहर

मानद उपाधि से नवाजे जाते वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम कुमार।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी को राष्ट्रभाषा हिंदी के क्षेत्र में अनुपम योगदान हेतु साहित्य मंडल श्रीनाथ द्वारा हिंदी साहित्य भूषण की मानद उपाधि से विभूषित किए जाने पर जिले में खुशी की लहर है।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ0 दयाराम मौर्य रत्न ने कहा कि साहित्य मंडल राजस्थान सरकार द्वारा एक मान्यता प्राप्त संस्थान है जहां से सम्मान प्राप्त कर प्रेम कुमार ने जिले का गौरव बढ़ाया है। समाजसेवी रोशन लाल उमरवैश्य ने बधाई देते हुए कहा कि प्रेम कुमार का अभिनंदन पूरे जिले का अभिनंदन है। समाज सेवी संजय शुक्ल ने प्रेम कुमार को प्रेम और साहित्य का सागर बताते हुए राजस्थान की धरती पर सम्मान प्राप्त करने पर बधाई दी है। आनंद मोहन ओझा, श्रीनाथ मौर्य सरस, अनूप त्रिपाठी, राजेश मिश्र, अखिल नारायण सिंह, हरिवंश शुक्ल, राधेश पांडे, गौरव श्रीवास्तव, राधेश्याम दीवाना, लखन प्रतापगढ़ी एवं अनिल कुमार निलय सहित जनपद की अनेक विभूतियों ने प्रेम कुमार को बधाइयां दी हैं। ज्ञातव्य है कि प्रेम कुमार त्रिपाठी के अब तक चार कहानी संग्रह एवं एक काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद पर आधारित उनका महाकाव्य प्रकाशन के मुहाने पर है।

निपुण भारत अभियान से शिक्षा व्यवस्था को मिलेगा नया आयाम: बीईओ

वीआरसी में परिषदीय विद्यालयों के प्रशिक्षण सत्र का हुआ समारोहपूर्वक शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। ब्लाक परिसर स्थित वीआरसी केंद्र पर निपुण भारत अभियान के तहत परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के प्रशिक्षण सत्र का सोमवार को समारोहपूर्वक शुभारंभ हुआ। इसके बाद सहायक अध्यापिका आस्था पाण्डेय व पूजा त्रिपाठी ने सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी।

खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभाकर यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि निपुण भारत अभियान से प्राथमिक विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था को एक नया आयाम मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि तीन वर्ष के बच्चों का आंगनबाडी में नामांकन के तहत जब इन्हें एलकेजी यूकेजी फिर नर्सरी के बाद परिषदीय विद्यालयों मे नामांकन मिलेगा तो ऐसे नौनिहालों को अक्षरों व अंको की पहचान के साथ विद्यालय मे ठहराव की दक्षता आ चुकी होगी। उन्होनें अध्यापकों से बच्चों के शैक्षिक उन्नयन में इस प्रशिक्षण का लाभ उठाए जाने का आहवान किया। इसके पूर्व महामंत्री संतोष कुमार मिश्र ने निपुण भारत मिशन के ध्येय पर प्रकाश डाला। उदघाटन सत्र में एआरपी राजेश कुमार वर्मा ने शिक्षा पद्धति पर अपने विचार व्यक्त किये। वहीं कार्यक्रम में शिक्षक सुभाषचंद्र पाण्डेय, आशा किरन त्रिपाठी व शिक्षक नेता प्रभाकर दुबे एवं उषा कौशल ने विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। संचालन जयप्रकाश पाण्डेय ने किया। इस मौके पर जीतलाल यादव, अरविंद पाण्डेय, सुशांत पाण्डेय, विनोद तिवारी, चंद्रभान मौर्य, संजय सिंह, सुधाकर शुक्ल, महेन्द्र प्रताप सिंह, ऋषि द्विवेदी, आशीष द्विवेदी, आशुतोष ओझा, दिनेश तिवारी, रमेश वर्मा, राजेश्वर यादव, मोनिका सिंह, इंदुबाला त्रिपाठी, संतोष तिवारी, संजय यादव आदि शिक्षक रहे।

नही बदला गया ट्रान्सफार्मर, उपभोक्ताओं में आक्रोश

परियावां, प्रतापगढ़। विद्युत उपकेंद्र कालाकांकर से जुड़े क्षेत्र पाइकगंज बाजार परियावां में विगत एक सप्ताह पूर्व लगा 100 केवी का विद्युत ट्रान्सफार्मर आकाशीय बिजली के चटकने से डैमेज हो गया जो आन लाइन शिकायत दर्ज कराने के बाबजूद भी अभी तक बदला नही गया जिससे बिजली पानी के लिये हाहाकार मचा हुआ है। विभाग के जिम्मेदार अधिकारी तीन दिनों से आजकल में लग जाने की बात कह रहे है। जब कि मुख्यमंत्री का निर्देश है कि ग्रामीण क्षेत्र में 72 घण्टे के अंदर ट्रान्सफार्मर बदल दिए जाएंगे, लेकिन ऐसा विद्युत उपकेंद्र कालाकांकर में नहीं हो रहा है। सिर्फ कोरा आश्वासन देकर उपभोक्ताओं को संतुष्ट किया जा रहा है। विभाग के इस रवैये से उपभोक्ताओं में आक्रोश फैल रहा है।

विराट व्यक्तित्व के धनी थे कवि चन्द्रमणि पाण्डेय: प्रभाकर

स्व0 कवि चंद्रमणि को किया गया श्रद्धा सुमन अर्पित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। साहित्यिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक चेतना के संवाहक वरिष्ठ साहित्यकार चंद्रमणि पांडेय चंद्र की जयंती के अवसर पर अष्टभुजा नगर स्थित मणि मंदिर में काव्य एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश संभव ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ साहित्यकार सुनील प्रभाकर, उद्घाटन अतिथि शिवशंकर सिंह, अति विशिष्ट अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल, समापन अतिथि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश मंत्री सुरेंद्र प्रसाद रुद्र रहे। इस अवसर पर उपस्थित साहित्यकारों एवं साहित्य प्रेमियों ने स्वर्गीय चंद्र मणि पांडेय चंद्र के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

कवि चंद्रमणि के चित्र पर माल्यार्पण करते अतिथिगण।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनील प्रभाकर ने कहा कि स्व. चंद्रमणि पांडेय सरल, सहज स्वभाव के विराट व्यक्तित्व के धनी थे। उनके अंदर श्रेष्ठ रचना धर्मिता थी। शुद्ध, परिष्कृत, संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली के पोषक थे। उनकी रचनाओं में समाज की विभिन्न समस्याओं के साथ-साथ, आध्यात्मिक चित्र भी विद्यमान रहता था। उद्घाटन अतिथि शिवशंकर सिंह ने कहा कि उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज और साहित्य को एक दिशा देने का कार्य किया। अति विशिष्ट अतिथि रमाशंकर शुक्ल ने भावांजलि देते हुए उनके प्रति अपने विचार व्यक्त किए। समापन अतिथि सुरेंद्र प्रसाद रुद्र ने कहा कि वे एक कुशल वक्ता और उच्च कोटि के धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति थे। इस अवसर पर स्वर्गीय चंद्र मणि पांडेय चंद्र के पुत्र और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह डॉ सौरभ पांडेय ने वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश संभव, सुनील प्रभाकर, अनूप अनुपम, डॉ गौरव त्रिपाठी, नितेश खंडेलवाल, सुरेंद्र प्रसाद रूद्र, रमाशंकर शुक्ल को अंगवस्त्रम और चंद्र का कविता संग्रह नमन है प्रदान कर सम्मानित किया। संचालन राजेश मिश्र ने तथा आमंत्रित अतिथियों का स्वागत और आभार डॉक्टर सौरभ पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रभाशंकर पांडेय, आशुतोष मिश्र, संजय तिवारी, धर्मेंद्र सिंह, दिनेश अग्रहरी, सीतांशु ओझा, प्रभात मिश्रा, सर्वोत्तम पांडेय, गिरजा शंकर मिश्र, पंकज तिवारी आदि उपस्थित रहे।

रेलवे अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी

रेलवे अधिकारियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी

आउट डोर बंद किए जाने के विरोध में मेंस यूनियन का विरोध प्रदर्शन जारी

रेलवे स्टेषन पर प्रदर्शन कर नारेबाजी करते मेंस यूनियन के पदाधिकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नार्दन रेलवे मेंस यूनियन शाखा तत्वाधान में प्रतापगढ़ स्थित आउटडोर कार्यालय को बंद किए जाने के तानाशाही कार्यवाही के विरोध में सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी एसएस कार्यालय पर भोजनावकाश में धरना प्रदर्शन किया गया।

धरने को संबोधित करते हुए शाखा मंत्री अनिल शुक्ला ने कहा कि सीनियर डीओएम का रवैया तानाशाही पूर्ण है। जब से ये लखनऊ मंडल मे आए है तब से कार्मचारियो की हितों की अनदेखी करने में लगे हुए है। प्रतापगढ़ आउटडोर स्टेशन मास्टर की पोस्ट सुरक्षा व संरक्षा की दृष्टि से बहुत ही आवश्यक है यहा पर स्टेशन मास्टर की पोस्टिंग तो किए नही और आउटडोर के कमरे में ताला लगवा दिया गया।

यूनियन प्रशासन के इस रवैये का विरोध करती है यदि आउटडोर का ताला नही खुलवाया गया तो मंडल स्तर पर विरोध किया जाएगा। उन्होने सीनियर डीईई के तानाशाही रवैये की भी निंदा करते हुए कहा कि वे भी छोटे कर्मचारियो की बात नही सुनते है जो की सरासर अन्याय है। सीनियर डीओएम और सीनियर डीईई के खिलाफ जमकर नारेबाजी हुई। प्रदर्शन में अजय आनंद, मो० अनीश, मो० रईस, संजय डोगरा, विनय मिश्रा, सलामत उल्ला, शैलेंद्र कुमार, शिव कुमार, सत्यप्रकाश, मुन्ना कुमार समेत कई कर्मचारी मौजूद रहे।

रेल यूनियन ने शहीद कर्मचारियों को किया याद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नार्दन रेलवे मेंस यूनियन शाखा के तत्वाधान में 19 सितंबर 1968 को रेलवे के शहीद हुए कामरेडो की याद मे श्रद्धांजलि सभा का आयोजन यूनियन कार्यालय पर किया गयाद्य शाखा मंत्री ने कहा कि 19 सितंबर 1968 मे हुए रेल हड़ताल के दौरान प्रशासन की बर्बरता पूर्वक कार्यवाही में हमारे साथी शहीद हो गये। उन साथियों का रेल परिवार आजीवन ऋणी रहेगाद्य इस दौरान मौजूद कर्मचारियों द्वारा शहीदो को श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया गया। कार्यक्रम में अजय आनंद, संजय डोगरा, मो० अनीस, सलामत उल्ला, शिव शर्मा, विनय मिश्रा, मो० रईस, सत्य प्रकाश आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

व्यापारी की खोज में चौथे दिन भी खाकी को सर्विलांस का सहारा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर की बाजार से लापता हुए व्यापारी की बरामदगी में पुलिस को चैथे दिन सोमवार को सिर्फ सर्विलांस का ही सहारा लेते देखा जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक गायब व्यापारी के फोन का लोकेशन सोमवार को भी मुम्बई के एक टावर के इर्द गिर्द पाया गया।

हालांकि सीओ प्रशिक्षाधीन अमरनाथ सोनकर की अगुवाई मे पुलिस की दो टीमें अलग अलग गायब व्यापारी की खोज मे मशक्कत कर रही है। लालगंज कोतवाली के भवराम बोझी निवासी स्व. राजेश पाण्डेय के पुत्र ऋषभ पाण्डेय शुक्रवार की शाम से लापता बताए जाते हैं। ऋषभ ने लालगंज मे स्टेशनरी की दुकान खोल रखी है। शनिवार को स्थानीय व्यापारियों के आक्रोश को भांप पुलिस ने गायब व्यापारी के भाई की तहरीर पर गुमशुदगी का केस दर्ज किया है। पुलिस ने गायब व्यापारी के दोनों नंबर सर्विलांस पर लगा रखे हैं। वहीं गायब व्यापारी के कुछ निकटतम लोगों के भी नंबर को पुलिस अंदर ही अंदर सर्विलांस के जरिए तहकीकात में जुटी बतायी जाती है। गायब व्यापारी के द्वारा कुछ लोगों से बडी रकम उधारी भी ले रखी गयी है। उधारी देने वाले लोगों से भी पुलिस लगातार पूछताछ मे जुटी हुई है। वहीं बाजार में यह चर्चा तेज है कि उधारी के दबाव में हो सकता है कि व्यापारी कहीं चला गया हो। इसके बावजूद ऋषभ के घर में परिवारजन उसकी गुमशुदगी को लेकर बदहवाश देखे जा रहे हैं। घर पर ऋषभ के रिश्तेदारों का भी जमावड़ा सोमवार को भी देखा गया।

गांव मे भी ऋषभ की गुमशुदगी को लेकर तमाम तरह की आशंकाओं से भरी चर्चा का माहौल गर्म है। सीओ रामसूरत सोनकर का कहना है कि गायब व्यापारी की तलाश की जा रही है। सर्विलांस के साथ परिजनों द्वारा गुमशुदगी के समय दी गयी ऋषभ की फोटो भी पुलिस स्टेशनो पर भेजवायी गयी है। सीओ के मुताबिक प्रशिक्षणाधीन सीओ अमरनाथ गुप्ता तथा प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल के नेतृत्व में पुलिस की टीम इस दिशा में लगातार प्रयासरत है।

मार्ग दुर्घटना में घायल छात्र की इलाज के दौरान हुई मौत, शव घर पहुंचने पर मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जेठवारा थाना क्षेत्र के बुधई का पुरवा गांव के पास रविवार को दोपहर हुई एक मार्ग दुर्घटना में बुरी तरह जख्मी छात्र की इलाज के दौरान सांसे थम गई। उसका शव सोमवार को घर पहुचनें पर परिजनों में कोहराम सा मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को करीब तीन बजे बाइक से डेरवा की ओर से आ रहे नरैना पुर गांव निवासी राम सिंह के 18 वर्षीय पुत्र अजीत सिंह की बुधई के पुरवा गांव के पास एक बुग्गी से जोरदार टक्कर हो गयी, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। उसे स्थानीय लोगो द्वारा जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से डॉक्टरों ने उसकी गम्भीर हालत के मद्देनजर उसे प्रयागराज रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गयी। बता दें कि मृत छात्र जेठवारा इंटर कालेज में बारहवीं कक्षा का छात्र था। उसके मौत की सूचना पर कालेज में भी गमगीन माहौल बन गया और सोमवार को शोक ब्यक्त करने के बाद कालेज बन्द कर दिया गया। वहीं सोमवार को जब शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम सा मच गया।

युवक को पीटकर कर किया घायल

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाना क्षेत्र के चैनी का पुरवा अस्थान गाव निवासी अवधेश पटेल ने पुलिस को दिए गए शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि गांव के दो लोगों ने सोमवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे लाठी डण्डा से बुरी तरह मारा पीटा, जिससे मेरी दाहिने हाथ की उंगली फैक्चर हो गई और सिर में काफी चोट आ गई है किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। इसके पहले भी आरोपियों ने मारा पीटा था जिनके खिलाफ पुलिस कार्रवाई नही की गई जिससे आये दिन किसी न किसी बहाने मारते पीटते है।

दबंगों ने सिपाही को पीटा, घायल

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली क्षेत्र के सदर मोड़ में आधा दर्जन दबंगों ने एक सिपाही रवि यादव को सरेआम चैराहे पर जमकर पीटा और उस पर ट्रैक्टर चढ़ाने का भी प्रयास किया गया। घायल सिपाही को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान पुलिस ने एक दबंग को गिरफ्तार किया है। साथ ही तीन नामजद व 6 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

डीएम से की इंसाफ की फरियाद

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के महराज का पुरवा रामगढ़ रैला निवासी कुलभूषण ओझा पुत्र प्रेमशंकर ओझा ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि कई वर्षो से लापता अपने भाई की सम्पत्ति को गांव के कुछ आरोपियो द्वारा अन्य लोगों से साजिश कर कूटरचित दस्तावेज तैयार कराए जाने का आरोप लगाया है। शिकायत मे पीडित ने कहा है कि आरोपियो ने फरार व्यक्ति की जगह दूसरे व्यक्ति को खडा कर भाई की सम्पत्ति का फर्जी बैनामा भी करा लिया। जानकारी होने पर पीडित ने पता किया तो आरोपियो की फोटो देख वह आरोप रह गया। पीडित ने डीएम से इंसाफ की गुहार की है।

घर में घुसकर मारपीट का मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ घर मे घुसकर मारपीट तथा गालीगलौज व जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के कला भदारी निवासी अशोक जायसवाल पुत्र त्रिलोकी जायसवाल ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती अठारह सितंबर को शाम छः बजे गांव के अजय पटवा पुत्र राजेन्द्र तथा राजेन्द्र की पत्नी नीतू व पुत्री अंकिता ने रंजिशन दरवाजे पर आकर गाली दी। विरोध करने पर आरोपी पीडित के घर के अंदर घुस गये और मारपीट करने लगे। बचाव करने पर आरोपियो ने पीडित की मां व भाई को भी मारापीटा।

पीएम के व्यक्तित्व पर आधारित प्रदर्शनी का युवाओं ने किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में आज तीसरे दिन प्रधानमंत्री के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित लगायी गयी कहानी भारत माँ के सच्चे सपूत की चित्र प्रदर्शनी तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णय, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन स्कूलों के बच्चों, अध्यापकों, जनसामान्य, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया।

प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्कृष्ट वैश्विक ख्याति, देश की संस्कृति, किताबों के समंदर के गोताखोर, हिमालय की गोद में, निर्धारित हो रहा पथ स्वतंत्र भारत के 100 वर्ष, सदैव जनता के साथ, हर गरीब के सिर पर हो अपनी छत, नारी शक्ति से देश की तरक्की, वीआईपी कल्चर को गुडबाय, साफ नियत सही विकास, स्कूल चले हम, ड्रीम बिग सोलर पावर, भारतीय दर्शन एवं विरासत का संरक्षण, बाबा साहब को सच्ची श्रद्धांजलि, जितना ऊँचा कद उतनी विशाल प्रतिमा, गुमनाम नायकों को उचित सम्मान, मेरे देश के जवान तुझको शत शत प्रणाम, देश की संस्कृति का गर्व से प्रदर्शन, जब दुनिया देती है आदि से सम्बन्धित तथ्यों पर आधारित चित्रों को दशार्या गया है। यह प्रदर्शनी 23 सितम्बर तक तुलसी सदन सभागार में पूर्वान्ह 11 बजे से सायंकाल 5 बजे तक लगेगी।

हादीहाल में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन करते लोग।

तीसरी लहर से बचाव के लिए बूस्टर अभियान मे आयी तेजी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोरोना की संभावित लहर से बचाव के लिए बूस्टर डोज अभियान के तहत लोगों को तीसरी डोज दिये जाने का सोमवार को भी सिलसिला दिखा। कोविड-19 को लेकर डबल डोज के बाद लोगों को चिन्हीकरण कर स्वास्थ्य महकमे द्वारा तीसरा डोज दिया जा रहा है। चिकित्साधीक्षक डा. अरविन्द गुप्ता ने बताया कि कोरोना से बचाव के लिए पहले लोगों को वैक्सीन के दो डोज से लाभान्वित किया गया। केंद्र सरकार के विशेष अभियान पर अब तीसरी डोज के लिए पंजीकृत लोगों को ट्रामा सेंटर मे बनाए गए विशेष कक्ष में तीसरी डोज से लाभान्वित किया जा रहा है।

सोमवार को रूरल बार एसोशिएसन के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल के साथ पहुंचे अधिवक्ताओं को बूस्टर डोज के तहत वैक्सीन से लाभान्वित किया गया। अभियान की प्रभारी अंजू मिश्रा ने बताया कि प्रतिदिन सीएचसी पहुंचने वाले पहले से नार्माकित लोगों को बूस्टर डोज की प्रक्रिया जारी रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि बूस्टर डोज के लगने से सामान्य दिनचर्या अथवा स्वास्थ्य पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नही पडा करता । इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश, सभासद करूणाशंकर दुबे, डा. रामराज, डा. सुधाकर, डा. इलियास, देवकुमार दुबे आदि रहे।

खबर संक्षेप

ग्राम विकास अधिकारी अरविंद सिंह किए गए निलंबित

कौशाम्बी। ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मूरतगंज अरविन्द सिंह (प्रथम) को जिला विकास अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है किसी प्रधान से मोबाइल दूरभाष पर पैसे के लेन-देन का ऑडियो वायरल हुआ था जानकारी मिलने के बाद मुख्य विकास अधिकारी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए सम्बन्धित के विरूद्ध तत्काल अनुशासनिक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये थे सीडीओ के निर्देश पर अरविन्द सिंह (प्रथम) ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड मूरतगंज की जांच डीपीआरओ ने की थी प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाने एवं सरकारी सेवा आचरण नियमावली के विपरीत कार्य करने के आरोप में जिला विकास अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है निलम्बन की अवधि में अरविन्द सिंह (प्रथम), ग्राम विकास अधिकारी विकास खण्ड चायल से सम्बद्ध किए गए हैं सम्बन्धित प्रकरण में जाँच अधिकारी खण्ड विकास अधिकारी को नामित किया गया है।

राष्ट्र निर्माता है श्रमिक : राज्य मंत्री

राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन/ अध्यक्ष, उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार राज्य परामर्शदात्री समिति ने किया एक दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते राज्यमंत्री

कौशाम्बी। राज्यमंत्री श्रम एवं सेवायोजन अध्यक्ष, उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार राज्य परामर्शदात्री समिति ठाकुर रघुराज सिंह ने नवीन मण्डी समिति, ओसा में बी0ओ0सी0 वर्कर फेडरेशन ऑफ इण्डिया के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ किया राज्यमंत्री ने मजदूरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार जनहित के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है तथा मजदूर, किसान, वंचित एवं समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए जनकल्याणकारी योजनायें संचालित कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में श्रमिकों का पंजीयन निःशुल्क किया गया तथा प्रत्येक पंजीकृत श्रमिक के खाते में एक-एक हजार रुपए हस्तान्तरित किये गये। उन्होंने कहा कि आप लोग राष्ट्र निमार्ता हैं। उन्होंने श्रमिकों से अधिक से अधिक पंजीयन कराने का आग्रह किया, जिससे श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल सकें।

राज्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों के कल्याण के लिए मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद हितलाभ योजना के अन्तर्गत पुत्र होने पर 20 हजार रुपये एवं पुत्री होने पर 25 हजार रुपयें की आर्थिक सहायता दी जायेगी तथा मातृत्व हितलाभ के तहत महिला श्रमिकों को पंजीकरण के उपरान्त दो प्रसवों तक 3 माह का वेतन दिया जाएगा तथा पुरूष कर्मकारों की पत्नियों को भी इस योजना के अन्तर्गत लाभ की परिधि में लाते हुए रू0 06 हजार दो किस्तों में दिया जायेंगा। कन्या विवाह सहायता योजना के अन्तर्गत श्रमिक की पुत्री के विवाह हेतु 55 हजार रुपयें तथा अगर वह अपनी पुत्री का विवाह श्रमिक बेटियों की सामूहिक विवाह योजना के तहत करता है, तो उसे 65 हजार रुपयें की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी तथा अन्तजार्तीय विवाह करने पर रू0 61 हजार रुपए की धनराशि दी जाती है। उन्होंने बताया कि निर्माण कर्मकार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना के तहत श्रमिक की कार्य स्थल पर या कार्य स्थल पर जाने के दौरान या कार्य स्थल से वापस घर आने के दौरान दुर्घटना में मृत्यु होने की स्थिति में 5 लाख रुपयें, स्थायी विकलांगता की स्थिति में 3 लाख रुपयें तथा आंशिक विकलांगता की स्थिति में 2 लाख रुपयें की आर्थिक मदद दी जाती है। उन्होंने बताया कि कार्यस्थल से इतर दुर्घटना के फलस्वरूप निर्माण श्रमिक की अस्थायी आंशिक विकलांगता की स्थिति में श्रमिक को एक मुश्त एक लाख की सहायता प्रदान की जाती है। अपंजीकृत श्रमिक की कार्य के दौरान दुघर्टना होने पर रू-50 हजार की सहायता राशि प्रदान की जाती है। राज्यमंत्री ने बताया कि गम्भीर बीमारी सहायता योजना के अन्तर्गत श्रमिक एवं उसके परिवार के सदस्यों की उ0प्र0 सरकार के नियंत्रणाधीन किसी सरकारी/स्वायत्तशासी चिकित्सालय में कराये गये इलाज के व्यय की जितनी भी धनराशि होगी, उसकी प्रतिपूर्ति की जाती है। उन्होंने कहा कि संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत श्रमिक के बच्चों के पढ़ाई के लिए विभाग की ओर से अगर बच्चा प्राथमिक स्कूल में पढ़ता है तो रुपए-2000 एकमुश्त प्रदान किया जायेंगा। इसी प्रकार कक्षा-06 से 10 में पढ़ता है तो रुपये-2500, कक्षा-11 एवं 12 तक के लिए रुपए-3000, स्नातक के लिए रुपये-12000, परास्नातक के लिए 24000 तथा आईटीआई/पॉलीटेक्निक के लिए 12000 एकमुश्त दिये जाने का प्राविधान है। उन्होंने कौशल विकास तकनीकी उन्नयन एवं प्रमाणन योजना तथा महात्मॉ गॉधी पेंशन योजना सहित आदि योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

न्यूज झरोखा

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अटसराय रेलवे स्टेशन अंडर पास पुल के पास रेलवे ट्रैक पर एक महिला की ट्रेन हादसे में मौत हो गयी है। परिजनों के अनुसार शकुंतला देवी उम्र तकरीबन 55 वर्ष पत्नी राजकुमार दुबे निवासिनी ग्राम सभा साढो पड़ोसी मजरे में झाड़ फूंक कराने जा रही थी दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर रेलवे फाटक के पास रेलवे ठेकेदार की लापरवाही से अंडर पास में गहरा पानी भरा है जिससे महिला रेलवे ट्रैक पर चढ़ कर दूसरी ओर जा रही थी उसी समय तेजरफ्तार ट्रेन आ गयी महिला शरीर की भारी थी हड़बड़ाहट में ट्रेन के सामने आ गयी जिससे महिला की दर्दनाक मौत हो गयी उसके 2 लड़की और परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है सूचना पर सैनी कोतवाली पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है वहीं ग्रामीणों में रेलवे ठेकेदार पर जमकर आक्रोश देखा गया है।

खाई में गिरा ट्रक चालक लहूलुहान

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के अंतर्गत शहीद कैप्टन स्कूल के पास अनियंत्रित होकर एक ट्रक खाई में गिर गया हादसे में ट्रक चालक घायल हो गया है जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है ट्रक खाई में पलट जाने से ट्रक में लदा समान चारों और बिखर गया है। बताया जाता है कि ट्रक चालक प्रेम सिंह रामपुर से ट्रक में सामान लेकर प्रयागराज की तरफ जा रहा था जैसे ही ट्रक चालक प्रेम सिंह चरवा थाना क्षेत्र के शहीद कैप्टन स्कूल के पास पहुंचा कि चालक अनियंत्रित हो गया और ट्रक खाई में गिर गई हादसे में ट्रक चालक को गंभीर चोटें आई हैं सूचना पाकर मौके पर स्थानीय पुलिस चौकी महगाव के जवान पहुंचे और घायल चालक को ट्रक से बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उसका इलाज चल रहा है घटना सोमवार की भोर लगभग 3:00 बजे की बताई जाती है।

जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड ने रोपित किए पौधे

कौशाम्बी। पर्यावरण संतुलन एवं वातावरण को स्वच्छ व सुन्दर बनाये रखने के लिए जिला कमाण्डेण्ट होमगार्ड विनोद कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में आज अमृत सरोवर, जजौली तथा महेश बाबा स्थल, टेंवा में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। होमगार्ड्स तथा ग्रामवासियों द्वारा अमृत सरोवर, जजौली में जामुन, करौंदा एवं ऑवला सहित कुल 45 पौधों का रोपण किया गया तथा महेश बाबा स्थल, टेंवा में कुल 40 पौधों का रोपण किया गया।

बालिका विद्यालय की छात्राओं ने चित्र प्रदर्शनी का किया अवलोकन

कौशाम्बी। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर जिला पंचायत परिसर में प्रधानमंत्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर जनपद स्तरीय चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी दिनांक 17 सितम्बर से लगाई गई है सोमवार को कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय, मंझनपुर की छात्राओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके साथ ही जनपदवासियों ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अनियंत्रित पिकप ने बुजुर्ग को मारी टक्कर, घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के लोन्हदा मोड़ पर छोटा हांथी(पिकप) ड्राइवर ने साइकिल सवार बुजुर्ग को टक्कर मार दी जिससे बुजुर्ग गम्भीर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दशरथ उम्र लगभग 60 वर्ष पुत्र जगदीश निवासी लोन्हदा ,साइकिल से साढो ग्राम सभा अपने साथी से मिलने गए थे वापस लौटते समय लोन्हदा मोड़ के पास सैनी की तरफ से अझुवा आ रहे छोटा हाथी चालक ने बुजुर्ग को टक्कर मार दी सूचना पर अझुवा चौकी पुलिस ने घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया।पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर कार्रवाई में जुट गई है।

चाकू के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना पश्चिम शरीरा पुलिस उप निरीक्षक श्याम सुन्दर यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त आरिफ उर्फ टिर्रा पुत्र सरीफ अहमद निवासी कुर्मियन का डेरा मजरा जजौली थाना पश्चिम शरीरा को कुर्मियन का डेरा से 01 अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया है बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

कादीपुर में चौपाल लगाकर सीडीओ ने की विकास कार्यों की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

सीडीओ की समीक्षा के दौरान उपस्थित अधिकारी और ग्रामीण

कौशाम्बी। सिराथू विकासखंड क्षेत्र के बडनपुर कादीपुर ग्राम में मुख्य विकास अधिकारी ने चौपाल लगाई है चौपाल के माध्यम से उन्होंने विकास कार्यों की समीक्षा की है समीक्षा के दौरान ग्रामीणों ने बताया कि परिषदीय विद्यालय की भूमि कब्जे में है जिस पर उन्होंने संबंधित लेखपाल को परिषदीय विद्यालय की अवक्रमित भूमि को कब्जा मुक्त कराकर चिन्हांकन करने के निर्देश दिया है चौपाल में जवाहर लाल यादव खण्ड शिक्षा अधिकारी सिराथू उपस्थित नही थे खंड शिक्षा अधिकारी के उपस्थित न होने पर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है विकास कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने गांव में चल रहे सात समूह की जानकारी ली और उसके साथ साथ ग्राम की महिलाओं को एनआरआईएम योजना के बारे में जानकारी भी दी समीक्षा के दौरान उपस्थित ग्रामीणों से उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की समस्या और भ्रष्टाचार की जानकारी मिलने पर वह सीधा मुख्य विकास अधिकारी के कार्यालय में शिकायत करें उन्होंने उपस्थित विभागीय अधिकारियों से कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी तरीके से संचालित किया जाए।

ट्रेन के आगे कूदा अधेड़ इलाज के दौरान मौत कोहराम

अझुवा कौशाम्बी। महेवा घाट कोतवाली के अंतर्गत रानीपुर गांव निवासी महादेव प्रसाद चौधरी उम्र 70 पुत्र शीतल चौधरी का रविवार दोपहर को पारिवारिक जनों से विवाद हो गया था परिवार से विवाद के बाद महादेव दोपहर बाद घर से निकलकर सिराथू रेलवे स्टेशन शाम 7:00 बजे पहुंच गया कानपुर से गोरखपुर जा रही चौरी चौरा एक्सप्रेस के सामने महादेव ने छलांग लगा दी जैसे इसकी जानकारी ट्रेन के ड्राइवर को पता चली तो उसने ब्रेक मार कर स्थानीय जीआरपी पुलिस चौकी को सूचना दी तकरीबन 30 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद जीआरपी के जवानों ने बुरी तरह से घायल महादेव को ट्रेन के नीचे से बाहर निकाला और जिला हॉस्पिटल में भर्ती कराया डाक्टरों ने गंभीर हालत में महादेव को प्रयागराज के स्वरूप रानी हॉस्पिटल रेफर कर दिया जहां सोमवार सुबह महादेव की मौत हो गई मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं महादेव के परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

महिला से संबंध बना रहा युवक पति को देखते ही हुआ फरार

अखंड भारत संदेश

कोखराज क्षेत्र में रात को घर मे मौजूद अकेली महिला से जबरिया संबंध बनाने का प्रयास

कौशांबी कोखराज। थाना क्षेत्र के कोखराज गांव की एक महिला ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गांव का एक दबंग उसके घर का दरवाजा खुला होने पर 29 अगस्त की 8:00 बजे रात घर में घुस आया और आरोपी युवक जबरिया उसके साथ संबंध बनाने का प्रयास करने लगा पति मजदूरी करने गया था जिस समय युवक संबंध बनाने का प्रयास कर रहा था उसी समय उसका पति आ गया महिला के पति ने महिला के साथ युवक के संबंध बनाने की हरकत को देख लिया महिला के पति के घर में आते ही आरोपी युवक चप्पल छोड़कर महिला के पति को धक्का देकर घर से भाग गया। मामले की सूचना 112 डायल पुलिस को उसी समय दी गयी सूचना पाकर मौके पर पुलिस के जवान पहुंचे पति अपने पत्नी को लेकर रात में कोखराज थाने पहुंचा मामले की तहरीर दी थाने के उपनिरीक्षक महेंद्र सिंह ने आरोपी युवक को पकड़ लिया 4 दिन तक थाने में आरोपी को पुलिस ने रखा उसके बाद लेनदेन कर आरोपी को थाने से छोड़ दिया गया है महिला के साथ हुई घटना का मुकदमा पुलिस ने नहीं दर्ज किया कोखराज थाना से न्याय ना मिलने पर महिला अपर पुलिस महानिदेशक कार्यालय प्रयागराज पहुंची और शिकायती पत्र देते हुए उप निरीक्षक के कारनामे को बताया और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

कोतवाल के जमीन खरीदने की खबर चलते ही कई कोतवाल हुए विचलित

कुछ वर्षों पूर्व एसपी कार्यालय में तैनात एक कर्मी ने भी करोड़ों की जमीन कुछ समय में खरीद ली थी

कौशांबी। जिले में कई वर्षों से तैनात एक कोतवाल ने करोड़ों कीमत की जमीन 2 वर्ष पूर्व खरीदी है यह मामला सुर्खियों में आया सोशल मीडिया में भी कोतवाल के जमीन खरीद के मामले की चचाएँ वायरल होने लगी अखंड भारत संदेश समाचार पत्र ने अपने समाचार पत्र में 18 सितंबर के अंक में करोड़ों की जमीन कोतवाल के खरीदने की खबर प्रकाशित की खबर प्रकाशित होते ही जिले में तैनात कई कोतवाल विचलित हो उठे और पूरे दिन इस बात की जानकारी एकत्रित करने में लगे रहे कि कहीं उनके नाम पर जमीन खरीदने की खबर तो नहीं प्रकाशित की गई है खबर प्रकाशित होने के बाद कई कोतवाल के विचलित होने से यह लगने लगा है कि जिले में अब यह आशंका प्रबल होती दिख रही है कि जिले में तैनात कई कोतवाल ने करोड़ों की जमीन खरीदी है अब किस-किस कोतवाल ने कुछ वर्षों में करोड़ों की जमीन खरीदी है यह पुलिस अधिकारियों की जांच का विषय है कुछ वर्षों पूर्व एसपी कार्यालय में तैनात एक कर्मी ने भी करोड़ों की जमीन कुछ समय में खरीद ली थी मामला सुर्खियों में आया तो तत्कालीन पुलिस अधीक्षक ने उस पुलिस कर्मी को पुलिस कार्यालय से बाहर स्थानांतरित कर दिया एक कोतवाल के करोड़ों की जमीन खरीदने का मामले की खबर समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद जिस तरह से पूरे दिन कई कोतवाल विचलित दिखाई पड़ रहे थे और लोगों से इस बात की जानकारी एकत्र करने का प्रयास कर रहे थे कि किस कोतवाल की जमीन खरीद की खबर प्रकाशित हुई है है उससे यही लगता है कि जिले में तैनात कई कोतवाल ने करोड़ों की जमीन खरीदी है कौशांबी में तैनाती के दौरान कोतवाल के करोड़ों की जमीन खरीदने का यह मामला इन दिनों सुर्खियों में है पुलिस आला अधिकारियों को कोतवाल की काली कमाई की श्रोत का पता लगाने के लिए जांच कराए जाने की जरूरत है और करोड़ों की जमीन खरीदने वाले कोतवाल के कारनामे की जांच पुलिस आला अधिकारियों ने कराई तो करोड़ों की जमीन खरीदने वाले कोतवाल की मुसीबत बढ़ सकती है इन दिनों यह कोतवाल सिराथू सर्किल क्षेत्र में तैनात बताए जाते है।

गोमांस व चापड़ के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना करारी पुलिस उप निरीक्षक विपलेश सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त इस्तेखार कुरैसी पुत्र वहीद कुरैसी निवासी गढहीपर थाना करारी को सीएचसी पुलिया कस्बा करारी से 09 किलो ग्राम गोमांस व 01 अदद चापड के साथ गिरफ्तार किया है बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

तमंचा के साथ गिरफ्तार

कौशांबी। थाना पश्चिम शरीरा पुलिस उप निरीक्षक जनार्दन सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त रेंडा पुत्र लतीफ निवासी कुर्मियन का डेरा थाना पश्चिम शरीरा को जजौली गेट के पास से 01 अदद तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया है बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 293/22 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

चायल फुटबाल क्लब ने पुलिस लाइन की टीम को हराकर फाइनल मैच जीता

अखंड भारत संदेश

खिलाड़ियों को सम्मानित करते अपर पुलिस अधीक्षक

कौशांबी। स्पोर्ट स्टेडियम में कौशाम्बी फुटबाल खेल एसोसिएशन की तरफ से आयोजित चार दिवसीय जिला स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच चायल फुटबाल क्लब ने 2-1 गोल जीता। फाइनल मैच पुलिस लाइन बनाम चायल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया। खिलाड़ियों को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटबाल खेल एसोसिएशन की तरफ से जनपद स्तरीय चार दिवसीय टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। यह टूर्नामेंट 16 सितंबर से चल रहा था। कुल चार टीमों ने हिस्सा लिया पुलिस लाइन एवं चायल फुटबॉल क्लब की टीम फाइनल में पहुंची। सोमवार को दोनों टीमों के बीच फाइनल मैच खेला गया। 35 मिनट के पहले हाफ राउंड में चायल फुटबाल क्लब के खिलाड़ियों ने 2 गोल किया। अपनी टीम के लिए राहुल एवं ऋषभ ने एक-एक गोल किया है। जबकि पुलिस लाइन की टीम की तरफ से सलीम जावेद ने एक गोल किया। दूसरे हाफ राउंड में किसी भी टीम ने गोल नहीं किया। चायल फुटबाल क्लब ने समय समाप्ति पर 2-1 गोल से फाइनल मैच की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मैंच जीतते ही खिलाड़ी खुशी से झूम उठे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक समर बहादुर सिंह ने विजेता खिलाड़ियों को ट्राफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मैच के निर्णायक मोहम्मद आसिफ, अनूप निषाद, त्रिवेंद्र सिंह पटेल रहे। समापन के दौरान सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के मैनेजर श्याम सुंदर कन्नौजिया, ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. अरुण केसरवानी, अंशुल केसरवानी, कोच रुस्तम खान, आरआई चन्द्र शेखर शर्मा, फुटबाल खेल एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिसार भारतीय, सचिव शहनवाज अहमद सहित तमाम खिलाड़ी मौजूद रहे।

दंगल और मेला देखने के लिए उमड़ी भीड़

अखंड भारत संदेश

दंगल में कई कुश्तियां रही रोचक

दंगल में कुश्ती देखने उमड़ी भीड़

कौशाम्बी। बसुहार गांव में आयोजित दो दिवसीय मेला देखने के लिए इलाके की भीड़ उमड़ पड़ी है मेला के दंगल मैदान में कुश्ती का आयोजन किया गया था ऐतिहासिक दंगल में स्थानीय और बाहरी नामी-गिरामी पहलवानों ने अखाड़े के मैदान में अपनी किस्मत आजमाई है मेले का आकर्षण का केंद्र दुकाने और झूला रही है मेला का आयोजन ग्राम प्रधान तीरथ राज सिंह द्वारा आयोजित किया गया है दंगल संचालक शीतला प्रसाद मिश्र की देखरेख में स्थानीय और बाहरी पहलवान अखाड़े के मैदान में कूद पड़े हैं कई कुश्तिया रोचक रही जिस पर दर्शकों ने ताली बजाकर पहलवानों का हौसला अफजाई किया है। चायल तहसील के बसुहार गांव मे हो रहे दो दिवसीय दंगल के आज प्रथम दिन 51 जोड़ी कुश्तिया लडी गयी कुश्ती मे गोरखपुर के संदीप पहलवान ने अपने प्रतिद्वंदी पहलवान गाजीपुर निवासी विकास कुमार को परास्त कर कुश्ती में विजय प्राप्त की इसी प्रकार जनपद मेरठ से आए हुए पहलवान साकिल ने बांदा के पहलवान अमर सिंह को चित कर विजय प्राप्ति है दूसरे दिन मंगलवार को होने वाले दंगल की कुश्ती प्रतियोगिता में तीन स्तर पर चैंपियन रखा गया है अखाड़ा चैंपियन तहसील चैंपियन जिला चैंपियन जिस पर कुश्ती में विजयी हुए पहलवानों को अधिक से अधिक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

बाइक सवार विद्युत पोल से टकराया, गम्भीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के उचरावा पथरांवा मार्ग पर एक पल्सर बाइक सवार अनियंत्रित होकर विद्युत पोल से टकरा गया जिससे युवक गम्भीर घायल हो गया मौके पर रहे स्थानीय निवासियों ने पुलिस को सूचना देते हुए एम्बुलेंस के माध्यम से नजदीकी अस्पताल भेज दिया जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल भेज दिया है।तेज रफ्तार बाइक सवार की स्थिति गम्भीर बताई जा रही है युवक कड़ा धाम थाना क्षेत्र का अम्बाई बुजुर्ग निवासी नितेश बताया जा रहा है।

झगड़ा कर रहे 5 अभियुक्तों को पुलिस ने भेजा न्यायालय

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के भैरायें ग्राम सभा मे झगड़ा कर रहे 5 व्यक्तियों जो आपस मे भाई हैं,अझुवा चौकी पुलिस ने न्यायालय चालान किया है। जानकारी के मुताबिक राजू द्विवेदी पुत्र स्व देवी चरण ने चौकी पुलिस अझुवा को तहरीर देते हुए बताया कि सोमवार की सुबह नरेंद्र द्विवेदी पुत्र स्व देवी चरण वा उनका पुत्र आफत द्विवेदी भांजा मनीष उसके खेत मे जबरिया मेंड़ बांध रहे हैं मना करने पर घर की महिलाओं सहित उसे लाठी कुल्हाड़ी से मारने का प्रयास करने लगे आज सुबह ऐसी ही स्थित पर चौकी पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची अझुवा चौकी पुलिस ने दोनों पक्षो से 5 व्यक्तियों को कस्टडी में लेकर न्यायालय में भेज दिया है।

वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य

सर्वश्रेष्ठ निक्षय मित्र को राज्यपाल करेंगी सम्मानित

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। यदि आप निक्षय मित्र हैं, अर्थात आपने किसी टीबी मरीज को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है, तो प्रदेश की राज्यपाल आपके इस सराहनीय कार्य के लिए आपको सम्मानित कर सकती हैं। इस संबंध में राज्य क्षय नियंत्रण अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक (क्षय) ने प्रदेश के सभी जिला क्षय अधिकारियों को पत्र लिख कर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ निक्षय मित्र का विवरण भी मांगा है दरअसल निक्षय मित्र योजना के तहत कोई भी व्यक्ति टीबी (क्षय) रोग के खिलाफ शुरू की गई राष्ट्रव्यापी जंग में अपना योगदान दे सकता है। ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। सीएमओ डॉ. सुष्पेंद्र कुमार ने लोगों से निक्षय मित्र बनकर टीबी के खिलाफ जंग को मजबूती देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह देश ने सम्मलित प्रयासों से पोलियो और कोरोना के खिलाफ जंग जीती है, उसी प्रकार टीबी के खिलाफ जंग को जीतने के लिए सम्मिलित प्रयास किया जाना है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य है। इस क्रम में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान लांच किया गया। इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए निक्षय मित्र योजना की भी शुरूआत की गई है।

क्या है निक्षय मित्र योजना

कौशाम्बी। सीएमओ ने बताया कि निक्षय मित्र योजना टीबी से पीड़ित लोगों को गोद लेने की योजना है। इस योजना के तहत कोई भी स्वयंसेवी संस्था, औद्योगिक इकाई या संगठन, राजनीतिक दल या कोई भी व्यक्ति टीबी मरीज को गोद ले सकेगा, ताकि वह इलाज में उसकी मदद करा सके और उसके लिए हर माह पौष्टिक आहार की व्यवस्था करा सके। इस अभियान के तहत निक्षय मित्र बनने वाले व्यक्ति या संस्था को कम से कम एक साल के लिए और अधिक से अधिक तीन साल के लिए किसी ब्लॉक, वार्ड या जिले के टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें भोजन, पोषण आदि जरूरी मदद उपलब्ध करानी होती है। इस अभियान से जुड़ने के लिए आप निक्षय पोर्टल पर रजिस्टर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में जिले में 82 निक्षय मित्र हैं।

योजना का उद्देश्य

कौशाम्बी जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एस.के झा ने बताया कि इस अभियान को जन-आंदोलन बनाकर आमजन को बताना होगा कि इस बीमारी की रोकथाम संभव है। इसका इलाज आसान और निःशुल्क है। लोगों को यह भी बताना होगा कि टीबी के कीटाणु हर व्यक्ति के शरीर में मौजूद होते हैं। लेकिन जब रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है तो व्यक्ति में यह रोग दिखता है। इलाज से इस बीमारी से जरूर छुटकारा मिल सकता है। ये सभी बातें लोगों तक पहुंचने के बाद ही टीबी से प्रभावित लोग इलाज की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे।

संपादकीय

आपदा प्रबंधन में जापान से सीखने की जरूरत

आपदा सदैव अन अपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्त रूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है ।आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है। आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ कोविड-19 के लिए सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है। भारत के भू भाग का लगभग 58% क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68% भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12% है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूवार्नुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी। भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है।

अस्थाई जगहों पर नेमप्लेट की हालत

डॉ. सुरेश कुमार

आलीशान अपार्टमेंट में टकलू जावेद ने एक फ्लैट खरीदा। पूरे पचास लाख रुपए देकर। जब इतना पैसा दिया है तो फ्लैट का मजा उठाना बनता ही है। सो वह फ्लैट के बीचोंबीच कुर्सी डालकर बैठ गया। पहली बार उसे भाड़े के मकान से खुद के मकान में शिफ्ट होने का सुख मिल रहा था। रजिस्ट्रेशन के कागजात हाथ में लिए बार-बार अपना नाम देख रहा था। लिखा था - यह मकान टकलू जावेद पुत्र कीर्तनलाल का है। अस्थाई जगहों पर नेमप्लेट की हालत कूड़े की तरह होता है। कोई भी कभी भी उस पर झाड़ू चला सकता है। इसलिए जीवन में कुछ कमाए या न कमाए, कम से कम कील ठोककर अपना नेमप्लेट लटकाने भर की जगह तो जरूर कमानी चाहिए। यही सब सोचते हुए टकलू जावेद खुश हो रहा था। घर की दीवारों पर अपने परिवार के सदस्यों की फोटो लगाने के लिए उसने दाईं दीवार पर एक कील ठोकी। तभी घर की घंटी बजी। देखा तो पड़ोसी क्रांतिलाल गुस्से से आग बबूला हुए जा रहा था। टकलू जावेद ने जब उसके गुस्से का कारण पूछा, तब उसने बताया, आप दाईं दीवार पर कील मत ठोकिए। हमारा सिर फटा जा रहा है। टकलू जावेद ने उससे माफी माँगी। उसे विदा किया। सोचा दाईं न सही बाईं दीवार पर कील ठोक देते हैं। बाईं दीवार पर कील ठोकने लगा। तभी दूसरा पड़ोसी खड्डूसलाल आ धमका। उसने बताया कि वह उनका बायाँ पड़ोसी है। कील ठोकने से बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान पहुँच रहा है। टकलू जावेद ने हाथ जोड़कर उसे भी विदा किया। बाद में पता चला की उनकी पीछे की दीवार से झगड़ूलाल और आगे की दीवार से घमंडूलाल का फ्लैट सटा हुआ है।

भ्रष्टाचार मुक्ति का अस्त्र - कर्तव्य परायणता सर्वोपरि

किशन भावनानी

भारत आदि अनादि काल से कर्तव्यनिष्ठा, कर्तव्य परायणता, कर्तव्य पालन में हदें पार करने की पराकाष्ठा काप्रतीक रहा है, जिसका उदाहरण हमें रामायण गीता सहित अनेकों धर्म ग्रंथों पुराणों में कर्तव्यनिष्ठा की गाथाएं पढ़ने को मिलती है जो पीढ़ी दर पीढ़ी अनेक महानुभावों, महामानवों महापुरुषों में यह गुण समाहित होते गया जहां भ्रष्टाचार का स्तर चुटकी बराबर था। इसलिए हमारे बड़े बुजुर्गों द्वारा अपने बड़े बुजुर्गों की बातें बताते हुए उस अमृतकाल के सतयुग, स्वर्ण भारत, सोने की चिड़िया भारत के नाम से पुकारते हैं जहा घर को बिना ताला लगाए मनीषी जीव अनेक दिनों तक गांव चले जाते थे परंतु शायद समय को ऐसा मंजूर था कि अंग्रेजों की बुरी नजर सतयुग,स्वर्ण भारत और सोने की चिड़िया पर पड़ी और भ्रष्टाचार की चुटकी को पंख लगाने के बीज बोए गए जहां कहा जाता है कि भारतीय रियासत के राजाओं पर भ्रष्टाचार रूपी दीमक छोड़कर अंग्रेज व्यापारी बनकर आए और शासक बन बैठे। फिर समय ने करवट ली और क्रांतिकारी जागे, भारत को आजाद करवाया परंतु भ्रष्टाचार, दीमक की तरह विकास की बाधा बनता ही रहा जिसे समाप्त करने का समय आ गया है जिसके लिए अब भ्रष्टाचार की काट कर्तव्य परायणता कर्तव्यनिष्ठा सर्वोपरि का अभियान चलाना होगा हर पद पर बैठे बाबू से लेकर ऑफिसर तक को इस मंत्र से रूबरू कराना होगा। साथियों शासन प्रशासन भ्रष्ट हो तो जनता की ऊर्जा भटक जाती है। देश की पूंजी का रिसाव हो जाता है। भ्रष्ट अधिकारी और नेता धन को स्विट्जरलैण्ड भेज देते हैं। इस कसौटी पर अमरीका आगे हैं। 'ट्रान्सपेरेन्सी इंटरनेशनल' द्वारा बनाई गयी रैंकिंग में अमरीका को १९वें स्थान पर रखा गया है जबकि चीन को ७९वें तथा भारत को ८४वां स्थान दिया गया है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार को कर्तव्यनिष्ठा मंत्र से समाप्त करने की दिशा पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार मुक्त के अस्त्र कर्तव्यनिष्ठा कर्तव्य परायणता की करें तो, हर पद पर बैठे कर्मचारी के लिए वह पद उससे कर्तव्यनिष्ठा की अपेक्षा करता है वह पद उसे रोजी-रोटी प्रदान करता है इसलिए पद पर बैठे कर्मचारी के लिए भी अपने रोजी-रोटी अन्नदाता के लिए कर्तव्यनिष्ठा कर्तव्य परायणता की जवाबदारी बन जाती है जो चपरासी से लेकर आईएएस ऑफिसर तक और अधिकारी कांस्टेबल से लेकर हर सिविल सर्वेंट, डॉक्टर, वकील, सीए इंजीनियर सहित सभी बुद्धिजीवियों को यह अपने मस्तिष्क में बसा लेनी होगी तो फिर भ्रष्टाचार पास फटक भी नहीं सकता और पीएम की कही बात हमेशा याद रखें ना खाऊंगा ना खाने दूंगा, खाने वाला देने वाले को पकड़ाए और देने वाला खाने वाले को पकड़ाए फिर भ्रष्टाचार की क्या मजाल!!

साथियों बात अगर कर्तव्यनिष्ठा कर्तव्य परायणता को जानने की करें तो, कर्तव्य के पालन का हमारे जीवन में विशेष महत्व है। प्रायः हमें कर्तव्य मार्ग पर दृढ़ रहने की शिक्षा अपने अग्रजों, शिक्षकों व मनीषियों से मिलती है, किंतु हम अपने कर्तव्यों को किस रूप में लेते हैं और किस हद तक अंजाम देते हैं, यह बात हम पर निर्भर करती है।कहीं ऐसा तो नहीं कि कर्तव्य पालन की परिभाषा बीतते वक्त के साथ दूषित हो गई हो और हम अपने कर्तव्यों को अहोभाव से न लेकर उन्हें भार स्वरूप ले रहे हों। कारण यह कि कर्तव्य अगर भार स्वरूप है तो निश्चित रूप से वह थकाने वाला होगा और उसमें हमारी श्रद्धा व आस्था का कोई स्थान नहीं होगा। वहीं अहो भाव से निभाया गया कर्तव्य आनंददायक व खेल की तरह स्फूर्तिदायक साबित होगा। कर्त्तव्यपरायणता-मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहता है। वह बिना समाज के नहीं रह सकता। मनुष्य का जीवन-चक्र आज उसकी सामाजिकता का ही परिणाम है। जब मनुष्य किसी दूसरे के साथ रहता है तो दोनों को परस्पर एक-दूसरे की सुख-सुविधा का ध्यान रखना पड़ता है, तभी सामाजिक जीवन चल पाता है। साथियों कर्तव्य पालन करना तो व्यक्ति बचपन में ही सीख जाता है और जो व्यक्ति नहीं सीख पाता, वह सदैव अपने कर्तव्यों से पीछे हटता रहता है और कभी भी अपने कर्तव्यों का पालन नहीं करता है। कर्तव्य पालन करने से व्यक्ति समाज में सम्मान पाता है क्योंकि कर्तव्य निष्ठा का पालन करते रहना ही मनुष्य के जीवन का एक अंग है। जब एक से अधिक व्यक्तियों में पारस्परिक व्यवहार रहेगा तभी समाज का निर्माण हो सकता है। परिवार समाज की इकाई है। इससे भी हम और आगे बढ़ें तब तहसील तथा पास-पड़ोस का क्षेत्र आता है और वहां की जनता में विभिन्न प्रकार का पारस्परिक सम्बन्ध चलता रहता है।इससे और आगे बढ़ा जाये तो जिला, प्रान्त और देश का सामाजिक जीवन है। इस सामाजिक-जीवन का सर्वाधिक व्यापक रूप विश्व-समाज है। इस प्रकार मनुष्य का जीवन क्षेत्र बढ़ता जाता है। जैसे-जैसे उसका क्षेत्र बढ़ता जाता है वैसे-वैसे उसके कर्त्तव्य और अधिकार भी बढ़ते चले जाते हैं। इन विभिन्न अवस्थाओं में पारस्परिक सम्बन्धों के समुचित निर्वाह को कर्तव्यपरायणता अथवा कर्तव्यपालन कहा जाता है-इस प्रकार मनुष्य के अनेक तथा विस्तृत कर्तव्य हैं और मनुष्य को उनके पालन का प्रयत्न करना पड़ता है। साथियों बात अगर हम भारत में भ्रष्टाचार पर चर्चा की करें तो भारत में भ्रष्टाचार चर्चा और आन्दोलनों का एक प्रमुख विषय रहा है। स्वतंत्रता के एक दशक बाद से ही भारत भ्रष्टाचार के दलदल में धंसा नजर आने लगा था और उस समय संसद में इस बात पर बहस भी होती थी। 21 दिसम्बर 1963 को भारत में भ्रष्टाचार के खात्मे पर संसद में हुई, बहस में डॉ राममनोहर लोहिया ने जो भाषण दिया था वह आज भी प्रासंगिक है।

> **डॉ लोहिया ने कहा था सिंहासन और व्यापार के बीच संबंध भारत में जितना दूषित, भ्रष्ट और बेईमान हो गया है उतना दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं हुआ है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को बढ़ाने की करें तो, भ्रष्टाचार बढ़ाने में दो पक्षों का हाथ होता है। एक जो कर्तव्यों के पालन के लिए अनुचित लाभ की मांग करता है, दूसरा वह पक्ष जो ऐसी मांगों पर बिना विचार और विरोध के लाभ पहुंचाने का काम करता है**

उस वक्त डॉ लोहिया ने कहा था सिंहासन और व्यापार के बीच संबंध भारत में जितना दूषित, भ्रष्ट और बेईमान हो गया है उतना दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं हुआ है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को बढ़ाने की करें तो, भ्रष्टाचार बढ़ाने में दो पक्षों का हाथ होता है। एक जो कर्तव्यों के पालन के लिए अनुचित लाभ की मांग करता है, दूसरा वह पक्ष जो ऐसी मांगों पर बिना विचार और विरोध के लाभ पहुंचाने का काम करता है। प्रकृति ने भी दुनिया को ये संदेश दिया है कि प्रकृति और अन्य शक्तियों ने आपको जो जिम्मेदारियां कर्तव्य के रुप में दी हैं, उनको पूरा करने के लिए आप किसी भी तरह के अतिरिक्त लाभ के अधिकारी नहीं हैं। बिना लाभ की आशा के अपने कर्तव्यों की पूर्ति करना चाहिए। पद का उपयोग ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करें निर्माण कार्यों में गडबडी या भ्रष्टाचार करने पर सख्त कार्यवाही करनी होंगी। ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों का प्रशासन संरक्षण करेगा वही भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों और कर्मचारियों पर सख्त कार्यवाही बेहिचक करनी होगी। किसी पुलिस या अन्य सरकारी अधिकारी के समर्थन में जनता सड़कों पर उतर आए, ऐसा कम ही देखने को मिलता है। ऐसा तभी होता है जब लोगों की राय में वह अधिकारी कर्तव्यनिष्ठ हो और जन-धारणा ऐसी बने कि उसका तबादला या उसके खिलाफ कोई अन्य कार्रवाई उसकी कर्तव्य परायणता के दंड के रूप में हुई है। साथियों बात अगर हम भारतीय दंड संहिता में भ्रष्टाचार की सजा की करें, लोक सेवकों से संबंधित अपराधभारतीय संहिता के अध्याय-9, अध्याय 9 ए तथा अध्याय 10 के अंतर्गत लोक सेवकों से संबंधित अपराधों का वर्णन किया गया है। इन तीनों अध्याय में सभी अपराध लोक सेवकों से संबंधित हैं। कोई अपराध स्वयं लोक सेवक द्वारा किया जाता है तथा कोई अपराध लोकसेवक के प्राधिकार के विरुद्ध किया जाता है परंतु इसका मूल लोक सेवक ही है। दंड संहिता की धारा 161 से लेकर धारा 190 तक 30 धाराओं में लोक सेवक से संबंधित अपराधों का उल्लेख है। इन तीनों अध्यायों में तीनों विषयों को संकलित किया गया है।लोक सेवक का सामान्य अर्थ होता है कोई सरकारी अधिकारी ऐसा सरकारी अधिकारी जिसे किसी सरकारी कामकाज के लिए केंद्रीय या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया गया है तथा वह इसके बदले उस अधिकारी को परिश्रमिक का भुगतान करती है।लोक सेवक शासन के अधीन होते हैं समस्त कार्यपालिका कार्यों का संचालन एवं संपादन लोक सेवकों द्वारा किया जाता है। शासन की सफलता या असफलता लोक सेवक पर निर्भर करती है।लोक सेवक जितने ईमानदारकर्तव्यनिष्ठ होंगे शासन उतना ही साफ सुथरा होगा। लोक सेवक भ्रष्टाचार से दूर रहे।

अहिंसा और शांति ही जीवन का सौन्दर्य है

ललित गर्ग

विश्व शांति दिवस अथवा अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस प्रत्येक वर्ष 21 सितम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस सभी देशों और लोगों के बीच स्वतंत्रता, शांति, अहिंसा और खुशी का एक आदर्श माना जाता है। यह दिवस मुख्य रूप से पूरी पृथ्वी पर शांति और अहिंसा स्थापित करने के लिए मनाया जाता है। पहला शांति दिवस कई देशों द्वारा राजनीतिक दलों, सैन्य समूहों और लोगों की मदद से 1982 में मनाया गया था। इस साल 40वां अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस 21 सितंबर 2022 को बुधवार के दिन मनाया जा रहा है, जिसकी थीम ह्यजातिवाद खत्म करें, शांति का निर्माण करेंह्य है। शांति सभी को प्यारी होती है। अहिंसा एवं शांति जीवन का सौन्दर्य है। इसकी खोज में मनुष्य अपना अधिकांश जीवन न्यौछावर कर देता है। किंतु यह काफी निराशाजनक है कि आज इंसान दिन-प्रतिदिन इस शांति एवं अहिंसा से दूर होता जा रहा है। आज चारों तरफ फैले बाजारवाद ने शांति एवं अहिंसा को व्यक्ति से और भी दूर कर दिया है।

मनुष्य, पशु, पक्षी, कीड़े, मकोड़े आदि सभी जीना चाहते हैं। कोई मरने की इच्छा नहीं रखता। जब कोई मृत्यु चाहता ही नहीं, तो उस पर उसको थोपना कहां का न्याय है। शांति एवं अहिंसा में विश्वास रखने वाले लोग किसी प्राणी को सताते नहीं, मारते नहीं, मर्माहत करते नहीं, इसी में से अहिंसा एवं शांति का तत्त्व निकला है। अहिंसा है स्वयं के साथ सम्पूर्ण मानवता को मानवता को ऊपर उठाने में, आत्मपतन से बचने में और उससे किसी को बचाने में। अशांति अंधेरा है और शांति उजाला है। आंखें बंद करके अंधेरे को नहीं देखा जा सकता। इसी प्रकार अशांति से शांति को नहीं देखा जा सकता। शांति को देखने के लिए आंखों में अहिंसा का उजाला आंजने की अपेक्षा है। पृथ्वी, आकाश व सागर सभी अशांत हैं। स्वार्थ और घृणा ने मानव समाज को विखंडित कर दिया है। यूँ तो ह्यविश्व शांतिह्न का संदेश हर युग और हर दौर में दिया गया है, लेकिन विश्व युद्ध की संभावनाओं के बीच इसकी आज अधिक प्रासंगिकता है। विगत अनेक माह से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध चल रहा है, और इस युद्ध की तमाम आशंकाओं और संभावनाओं के बीच शांति वार्ता की कोशिशें लगातार निस्तेज होती जा रही है। इस युद्ध की दूसरी बड़ी समस्या है की वास्तव में युद्ध यूक्रेन और रूस के बीच का युद्ध तो है ही नहीं। वास्तविक युद्ध तो पश्चिमी गठबंधन और रूस के बीच चल रहा है, और यह पक्ष तो शांति वार्ता से नदारद ही हैं। रूस को ये भली-भांति पता चल चुका है कि वो यूक्रेन पर कब्जा नहीं कर सकता है, और यूक्रेन भी इस बात को समझता है कि इस युद्ध के दौरान जिन इलाकों को वो खो चुका है, वो उसे अब वापिस मिलने से रहे। आज जब हम वापस उसी शीत युद्ध के बीच अपने को पाते हैं तो उस शीत युद्ध में रूस के साथ-साथ चीन अब खड़ा है। और इस अंतराल में चीन सेर का सवा सेर नहीं बल्कि सवा सौ सेर बन चुका है। वास्तव में विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही दुनिया को अयुद्ध, शांति एवं अहिंसा के पुनर्निर्माण की जरूरत है। और अगर ये पुनर्निर्माण नहीं किया गया तो यूक्रेन में धधकता उबाल सिर्फ. यूक्रेन को ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों को अपनी चपेट में लेगा। जाहिर है कि रणनीतिक दृष्टि में एक गहरी खामी थी जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई। यह उन त्रुटिपूर्ण सुरक्षा विचारों पर फिर से विचार करने का समय है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो अकेले यूक्रेन में शांति से समस्या का समाधान नहीं होगा। यह आग आगे भी यूं ही सुलगती रहेगी। सम्पूर्ण विश्व में शांति कायम करना आज संयुक्त राष्ट्र का मुख्य लक्ष्य है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में भी इस बात का स्पष्ट उल्लेख है कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष को रोकने और शांति की संस्कृति विकसित करने के लिए ही यूएन का जन्म हुआ है। संघर्ष, आतंक और अशांति के इस दौर में अमन की अहमियत का प्रचार-प्रसार करना बेहद जरूरी और प्रासंगिक हो गया है। इसलिए संयुक्त राष्ट्रसंघ, उसकी तमाम संस्थाएँ, गैर-सरकारी संगठन, सिविल सोसायटी और राष्ट्रीय सरकारें प्रतिवर्ष इस दिवस का आयोजन करती हैं। शांति का संदेश दुनिया के कोने-कोने में पहुँचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने कला, साहित्य, सिनेमा, संगीत और खेल जगत की विश्वविख्यात हस्तियों को शांतिदूत भी नियुक्त कर रखा है। भारत अहिंसा एवं शांति को सर्वाधिक बल देने वाला देश है, यहां की रत्नगर्भा माटी ने अनेक संतपुरुषों, ऋषि-मनीषियों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपने त्याग एवं साधनामय जीवन से दुनिया को अहिंसा एवं शांति का सन्देश दिया। महात्मा गांधी ने अहिंसा एवं शांति पर सर्वाधिक बल दिया। पण्डित जवाहरलाल नेहरू ने विश्व में शांति और अमन स्थापित करने के लिए पाँच मूल मंत्र दिए थे, इन्हें पंचशील के सिद्धांत भी कहा जाता है। मानव कल्याण तथा विश्व शांति के आदर्शों की स्थापना के लिए विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्था वाले देशों में पारस्परिक सहयोग के ये पंचशील के पाँच आधारभूत सिद्धांत हैं-एक दूसरे की प्रादेशिक अखंडता और प्रभुसत्ता का सम्मान करना, एक दूसरे के विरुद्ध आक्रामक कार्यवाही न करना, एक दूसरे के आंतरिक विषयों में हस्तक्षेप न करना, समानता और परस्पर लाभ की नीति का पालन करना एवं शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति में विश्वास रखना। माना जाता है अगर विश्व उपरोक्त पाँच बिंदुओं पर अमल करे तो हर तरफ चैन और अमन, अहिंसा एवं शांति का ही वास होगा। विश्व शांति दिवस के उपलक्ष्य में हर देश में जगह-जगह सफेद रंग के कबूतरों को उड़ाया जाता है, जो कहीं ना कहीं पंचशील के ही सिद्धांतों को दुनिया तक फैलाते हैं। एक शायर का निम्न शेर बहुत ही विचारणीय है-लेकर चलें हम पैगाम भाईचारे का, ताकि व्यर्थ खून न बहे किसी वतन के रखवाले का। आज कई लोगों का मानना है कि विश्व शांति को सबसे बड़ा खतरा साम्राज्यवादी आर्थिक और राजनीतिक कुचेष्टाओं से है। विकसित देश युद्ध की स्थिति उत्पन्न करते हैं, ताकि उनके सैन्य साजो-समान बिक सकें। यह एक ऐसा कड़वा सच है, जिससे कोई इंकार नहीं कर सकता। आज सैन्य साजो-सामान उद्योग विश्व में बड़े उद्योग के तौर पर उभरा है। आतंकवाद को अलग-अलग स्तर पर फैलाकर विकसित देश इससे निपटने के हथियार बेचते हैं और इसके जरिये अकूत संपत्ति जमा करते हैं। हिंसा एवं अशांति विश्व की एक ज्वलन्त समस्या है। अहिंसा एवं शांति ही इस समस्या का समाधान है। भारतीय संस्कृति के घटक तत्वों में अहिंसा भी एक है। यहां सभी धर्मों के साधु-संन्यासी अहिंसा का उपदेश देते रहे हैं।

स्मृति शेष: भारत के क्रान्तिऋषि का महाप्रयाण

संजय तिवारी

वह कवि थे। लेखक थे। प्रखर वक्ता थे। भाषाविद थे। संत थे। वास्तव में आधुनिक भारत में क्रान्तिऋषि के रूप में थे जिनसे बहुत लोगों ने बोलना और व्याख्यान देना सीखा है। श्रीरामजन्मभूमि आंदोलन के इस महानायक के महाप्रयाण की सूचना बहुत दुखद है। गोरखपुर में मेरी पत्रकारिता के आरंभिक दिन थे जब आचार्य धर्मेंद्र जी से मिलने और उनके साथ लंबे संवाद का अवसर मिला। इस मुलाकात में ब्रह्मलीन गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महंत अवेद्यनाथ जी ने पितृभूमिका निभाई थी जिसके कारण आचार्यश्री से निकटता हो गयी। हिंदी, अरबी, फारसी, संस्कृत और अंग्रेजी भाषा पर समान रूप से नियंत्रण रखने वाले आचार्य धर्मेंद्र जब बोलते थे तो श्रोता उनमें ही बहता चला जाता था। गजब की ओजस्विता थी। अद्भुत अलंकृत भाषा और अदम्य साहस। जबकि उन दिनों प्रखर हिंदुत्व की शैली में बात करना किसी अपराध से कम नहीं था। श्रीरामजन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति के अध्यक्ष होने के कारण महंत अवेद्यनाथ जी के पास उन दिनों देशभर से संत आते रहते थे। श्रीरामजन्मभूमि की मुक्ति के लिए अक्सर बैठकें होती रहती थीं। आचार्य धर्मेंद्र जी का पूज्य महंत जी से व्यक्तिगत भी बहुत गहरा लगाव था। इसलिए उनका गोरखपुर आगमन होता रहता था। बाद के दिनों में बढ़ती उम्र के कारण संभवतः उनकी यात्रा बाधित हो गयी। जीवन की व्यस्तताओं में वर्षों से उनसे संपर्क नहीं हो सका। आज उनके निधन की सूचना ने स्तब्ध कर दिया। आचार्य धर्मेन्द्र विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय मार्गदर्शक मंडल में शामिल थे। आचार्य महाराज का पूरा जीवन हिंदी, हिंदुत्व और हिन्दुस्थान के उत्कर्ष के लिए समर्पित है। अपने पिता महात्मा रामचन्द्र वीर महाराज के समान उन्होंने भी अपना सम्पूर्ण जीवन भारतमाता और उसकी संतानों की सेवा, अनशनों, सत्याग्रहों, जेल यात्राओं, आंदोलनों एवं प्रवासों में संघर्षरत रहकर समर्पित किया है। आचार्य धर्मेंद्र ने राममंदिर आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। साथ ही विश्व हिंदू परिषद से लंबे समय तक जुड़े रहने के दौरान हमेशा चर्चा में रहे। वे राममंदिर मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी से बोलते थे। बाबरी विध्वंस मामले में लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कल्याण सिंह और उमा भारती सहित आचार्य धर्मेंद्र को भी आरोपी माना गया था। बाबरी विध्वंस मामले में जब फैसला आने वाला था तब आचार्य धर्मेंद्र ने कहा था कि मैं आरोपी नंबर वन हूं। सजा से डरना क्या? जो किया सबके सामने किया। आठ वर्ष की आयु से आजतक आचार्य श्री के जीवन का प्रत्येक क्षण राष्ट्र और मानवता के अभ्युत्थान के लिए सतत तपस्या में व्यतीत हुआ है। उनकी वाणी अमोघ, लेखनी अत्यंत प्रखर और कर्म अद्भुत हैं। आचार्य धर्मेन्द्र जी अपनी पैनी भाषण कला और हाजिर जवाबी के लिए जाने जाते रहे। वे एक ओजस्वी एवं पटु वक्ता एवं हिन्दी कवि भी थे। आचार्य श्री का जन्म माघकृष्ण सप्तमी को विक्रम संवत 1998 (9 जनवरी 1942) को गुजरात के मालवाडा में हुआ। मध्य रात्रि के बाद पाश्चात्य मान्यता के अनुसार 10वीं तारीख प्रारंभ हो गयी थी। हिन्दू कुल श्रेष्ठ आचार्य श्री माघकृष्ण सप्तमी को ही अपना प्रमाणिक जन्मदिवस मानते हैं। पिता के आदर्शों और व्यक्तित्व का इनपर ऐसा प्रभाव पड़ा कि इन्होंने 13 साल की उम्र में वज्रांग नाम से एक समाचारपत्र निकाला। गांधीवाद का विरोध करते हुए इन्होंने 16 वर्ष की उम्र में "भारत के दो महात्मा" नामक लेख निकाला। इन्होंने सन 1959 में हरिवंश राय बच्चन की "मधुशाला" के जवाब में "गोशाला (काव्य)" नामक पुस्तक लिखी।

वंश परिचय और स्वामी कुल परम्परा: जयपुर राज्य के पूर्वोत्तर में ऐतिहासिक तीर्थ विराट नगर के पार्श्व में पवित्र वाणगंगा के तट पर मैड नामक छोटे से ग्राम में एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण संत, लश्करी संप्रदाय के अनुयायी थे। गृहस्थ होते हुए भी अपने सम्प्रदाय के साधु और जनता द्वारा उन्हें साधु-संतों के सामान आदर और सम्मान प्राप्त था। भगवान नरसिंह देव के उपासक इन महात्मा का नाम स्वामी गोपालदास था। गौतम गौड़ ब्राह्मणों के इस परिवार को 'स्वामी' का सम्मानीय संबोधन जो भारत में संतो और साधुओं को ही प्राप्त है, लश्करी संप्रदाय के द्वारा ही प्राप्त हुआ था, क्योंकि कठोर सांप्रदायिक अनुशासन के उस युग में चाहे जो उपाधि धारण कर लेना सरल नहीं था। मुगल बादशाह औरंगजेब द्वारा हिन्दुओं पर लगाये गए श्मशान कर के विरोध में अपना बलिदान देने वाले महात्मा गोपाल दास जी इनके पूर्वज थे।

जजिया कर की अपमानजनक वसूली और विधर्मी सैनिकों के अत्याचारों से क्षुब्ध स्वामी गोपालदास धरम के लिए प्राणोत्सर्ग के संकल्प से प्रेरित होकर दिल्ली जा पहुंचे।

कंट्रोवर्सी किंग के नाम से मशहूर हैं महेश भट्ट

कंट्रोवर्सी किंग के नाम से मशहूर फिल्म निमार्ता, निर्देशक और स्क्रीन राइटर महेश भट्ट का जन्म 20 सितंबर, 1948 को मुंबई में हुआ था। महेश की प्रारंभिक पढ़ाई डॉन बोस्को हाई स्कूल, माटुंगा से हुई थी। इस दौरान महेश ने पैसे कमाने के लिए पार्ट टाइम जॉब करना शुरू कर दिया। 20 साल की उम्र में उन्होंने विज्ञापन लेखन का काम शुरू कर दिया था। स्ट्रगलिंग के दिनों में महेश बीते जमाने की दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल और सुपरस्टार विनोद खन्ना के सेक्रेटरी भी रह चुके हैं।

महेश भट्ट ने दो शादियां की हैं। उन्होंने पहली शादी लॉरेन ब्राइट से की। शादी के बाद लॉरेन ब्राइट का नाम किरण भट्ट हो गया। दोनों के दो बच्चें पूजा भट्ट और राहुल भट्ट है। पहली शादी में दरार आने के बाद महेश ने दूसरी शादी अभिनेत्री सोनी राजदान से की। इनसे महेश की दो बेटियां शाहीन भट्ट और आलिया भट्ट हैं। महेश भट्ट ने 26 साल की उम्र में बतौर निर्देशक फिल्म 'मंजिलें और भी हैं' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म के बाद महेश ने 'नया दौर','लहू के दो रंग','अर्थ, 'सारांश', 'नाजायज', 'दिल है कि मानता नहीं', आदि फिल्मों का सफल निर्देशन किया। साल 1996 में महेश ने बतौर निमार्ता फिल्म 'पापा कहते हैं' को प्रोड्यूस किया और फिल्म जगत में निर्दशक के साथ –साथ निमार्ता के रूप में भी अपनी पहचान बनाई। बतौर निमार्ता महेश ने राज, साया, फुटपाथ आदि फिल्मों का निर्माण किया। महेश भट्ट ने बतौर लेखक बॉलीवुड कि कई फिल्मों की कहानी लिखी है।

जिनमें 'संघर्ष', कसूर, पाप, जिस्म, जहर, गैंगस्टर,वो लम्हें आदि शामिल हैं। महेश ने बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक शानदार फिल्में दी हैं। महेश ज्यादातर बोल्ड विषयों पर मसालेदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं।

लम्बित आवेदनों पर बैंक तत्काल दें ऋण: डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक में उपायुक्त उद्योग केन्द्र एसके केशरवानी को निर्देश दिये कि निवेश मित्र पोर्टल के लम्बित संदर्भों को जल्द निस्तारित कराकर जिले में एक उत्पाद में वन निगम से सम्पर्क कर लकडी की व्यवस्था उद्योग लगाने को की जाये।

सोमवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम अभिषेक आनन्द ने उपायुक्त उद्योग को निर्देश दिये कि वन विभाग व वन निगम के साथ अलग से बैठक की जाये। जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी राजेन्द्र कुमार को निर्देश दिये कि जो आवेदन पत्र बैंकों से मंजूर हुए हैं, उनका वितरण सुनिश्चित करायें। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन की समीक्षा कर कहा कि जो बैंकों में आवेदन लम्बित हैं, तत्काल ऋण दिलायें, ताकि लोग उद्योग लगा सकें। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत लम्बित आवेदनों का जल्द निस्तारण करायें। जिन बैंकों के नोडल अधिकारी नहीं आते, उनके खिलाफ कार्यवाही करायें। अधिक से अधिक आवेदनों का निस्तारण कराया जाये। श्रम प्रवर्तन अधिकारी से कहा कि श्रम विभागों की योजनाओं के आवेदनों की मंजूरी कराकर लाभ दिलायें।

उन्होंने मंडी सचिव को निर्देश दिये कि मंडी परिसर में बाउंड्रीवाल का निर्माण कराकर तार फेंसिंग कराई जाये। मुख्य गेटों पर काऊकैचर लगाये जायें। नगर पालिका कर्वी को निर्देश दिये कि एकल प्रयोग प्लास्टिक पर अंकुश लगायें। पॉलीथिन पर रोक लगाने को व्यापारियों को प्रेरित करें। व्यापार मंडल उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने कहा कि यूपीटी रामघाट में स्ट्रीट लाइट लगाई जाये। व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष ओम केशरवानी ने कहा कि भरतकूप के व्यापारियों की विद्युत की समस्या का निदान कराया जाये। भरतकूप तथा मंडी परिसर कर्वी में एसबीआई व यूनियन बैंक की शाखा खोली जाये, ताकि व्यापारियों की सुविधा मिल सके। व्यापार मंडल के युवा जिलाध्यक्ष राहुल गुप्ता ने कहा कि मानिकपुर रेलवे ओवरब्रिज को जल्द चालू किया जाये। बैठक में संबंधित अधिकारी व व्यापारी नेता गुलाबचन्द्र गुप्ता, सुनील द्विवेदी, अंकित पहारिया आदि मौजूद रहे।

व्यापारियों ने डीएम को ज्ञापन सौंप की एंटी लार्वा छिडकाव की मांग

चित्रकूट। युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राहुल गुप्ता की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा कि जिला मुख्यालय के कई क्षेत्रों में डेंगू के मरीजों की तादाद में इजाफा हो रहा है। इस बाबत व्यापारियों ने जिलाधिकारी को सुझाव दिये हैं।

सोमवार को युवा उद्योग व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष राहुल गुप्ता की अगुवाई में व्यापारी नेता अमित पहारिया, मोहित जैन शिशिर अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, सुभम, अंकित पहारिया, राम गुप्ता आदि व्यापारियों ने जिलाधिकारी से भेंटकर कहा है कि मौसम में बदलाव के चलते मच्छरों की तादाद में भारी बढोत्तरी के चलते जिला मुख्यालय के कुछ क्षेत्रों में डेंगू व अन्य बीमारियां तेजी से बढी हैं। जिला मुख्यालय में जल्द फागिंग कराई जाये। मुख्यालय समेत कस्बों व ग्रामीण क्षेत्रों में आबादी वाले स्थानों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाये। नालियों में थालियान लिक्विड डलवाया जाये। विशेष टीम गठित कर जिन स्थानों में डेंगू के मरीज बढे हैं, उन्हें चिन्हित कर तत्काल एंटी लार्वा छिडकाव कराया जाये। व्यापारियों ने जिलाधिकारी से कहा कि स्वास्थ्य विभाग व नगर पालिका कर्मियों की विशेष टीमें गठित कर लगातार समीक्षा की जाये। विद्यालयों में भी एंटी लार्वा का छिडकाव कराया जाये। जिलाधिकारी ने व्यापारियों को भरोसा दिया कि जल्द व्यवस्था कराई जायेगी।

गरीब को नसीब हुई है महंगाई-बेरोजगारी: पूर्व एमएलसी

चित्रकूट। सपा के सदस्यता अभियान को गति देने को जिले के प्रभारी/पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह ने मऊ-मानिकपुर विधानसभा के आधा दर्जन से ज्यादा गांवों का दौरा कर बूथ-बूथ पहुंचकर लोगों को सपा का सदस्य बनने को प्रेरित किया।

सोमवार को जिले के प्रभारी/पूर्व एमएलसी उदयवीर सिंह ने कहा कि संविधान व लोकतंत्र बचाने को सपा का सदस्य बनकर साम्प्रदायिक, संविधान और लोकतंत्र विरोधी ताकतों को मुंहतोड जवाब दें। भाजपा के शासनकाल में गरीब, किसान, दलित, पिछडा और मजदूर को सिर्फ महंगाई और बेरोजगारी मिली है। भाजपा की सरकार धर्म के सहारे सत्ता में आकर जुमलों व अफवाहों से शासन चला रही है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है। महिलाओं, बच्चियों के साथ अन्याय, जुल्म की बाढ आ गई है।

सपा जिलाध्यक्ष अनुज सिंह यादव ने किसान, नौजवान, छात्र-छात्राओं से सपा का सदस्य बनने का आवाहन किया। कहा कि तरक्की और विकास का रास्ता समाजवाद से होकर गुजरता है। सपा मुखिया अखिलेश यादव विकासवादी राजनीति करते हैं। जिले में जो विकास सपा सरकार में हुआ, वह वहीं पर रुका है। पूर्व विधायक वीर सिंह पटेल ने कहा कि दलित, पिछडा, शोषित समाज और महिलायें केवल सपा सरकार में सुरक्षित हैं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अरशद खान, रामप्रसाद वर्मा, मान सिंह पटेल, फराज खान, गोपाल साहू, मनीष विश्वकर्मा, भइयालाल यादव, संजय केशरवानी, लक्ष्मी वर्मा, लल्लू मोदनवाल, पवन ओझा समेत सैकडों सपाई मौजूद रहे।

गौशाला की कागजी खानापूरी बनी किसानों का सरदर्द

चित्रकूट। मानिकपुर ब्लाक के किसी भी गांव में प्रधान व सचिव ने गौवंशों के लिए ठोस कदम नहीं उठाये। गांव की सडकें व किसानों की फसलें गौवंशों की गौशाला बनी है। इससे किसान की खेत में लगी लागत व मेहनत पर पानी फिर रहा है। आये दिन जिलाधिकारी गौवंशों को लेकर प्रधान व सचिव को कडे निर्देश जारी करते हैं। प्रधान व सचिव पर उन निदेशों का कोई असर नहीं पड रहा है। इससे प्रतिदिन सड़कों में हादसे और किसानों की मेहनत पर पानी फिर रहा है। सकरौंहा गांव के किसान रेवती प्रसाद त्रिपाठी पुत्र रामआसरे त्रिपाठी की दो बीघा धान की और रामानन्द त्रिपाठी की पांच बीघा तिल की फसल बीते दिनों 60-70 गौवंश चट कर गये। चकरौंहा गांव के किसान कुनका द्विवेदी की तीन बीघे फसल की मेहनत पर गौवंशों ने पानी फेर दिया, एक रात में पूरी फसल खा गये। किसानों ने बताया कि अन्ना गौवंशों से फसल नष्ट होने से एक बच्चे को खोने जैसा दर्द महसूस होता है। प्रधान सकरौंहा ने कहा कि तीन बार अन्ना गौवंशों को लेकर गांव में मुनादी के बाद भी ग्रामीण गौवंशों को नहीं बांध रहे हैं। इससे किसानों की फसल नहीं बच पा रही है। गौशाला में गौवंश रखे जाते हैं। गौवंशों के खाने-पीने की पूरी व्यवस्था है।

एसपी के निर्देश पर पुलिस ने चार को दबोचा

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी को जारी अभियान में पुलिस ने दो वांछित व दो वारंटियों को दबोचने में सफलता प्राप्त की है। सोमवार को थानाध्यक्ष सरधुआ प्रवीण कुमार सिंह की टीम ने मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी के वारंटी राजेश पुत्र रामधनी निवासी दरसेडा को गिरफ्तार किया है। सरधुआ थाना के दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी ने दहेज हत्या के वांछित ओमप्रकाश पुत्र शिवराज निवासी सुरसेन को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

मानिकपुर थाने के दरोगा अरविन्द पाण्डेय ने टीम के साथ खनिज अधिनियम के वारंटी दिनेश राज कोल पुत्र रामपाल कोल निवासी गोविन्दनगर को गिरफ्तार किया है। मऊ थानाध्यक्ष राजीव कुमार सिंह ने अपहरण व दुष्कर्म तथा पाक्सो एक्ट के आरोपी सोमनाथ पुत्र भाऊलाल निवासी डाक बंगला को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

जिले के 38 किसानों को बाढ से क्षति का मिला मुआवजा

चित्रकूट। मऊ व राजापुर तहसील क्षेत्र में यमुना नदी में आई बाढ से डूबी फसलों से हुई क्षति के मुआवजे के बतौर जिला प्रशासन ने 38 लोगों को कृषि निवेश अनुदान धनराशि बांटी। एडीएम कुंवर बहादुर सिंह ने कहा कि राजापुर तहसील क्षेत्र के बाढ प्रभावित क्षेत्र रायपुर में बीस लोगों को कृषि निवेश अनुदान राशि सांसद आरके सिंह पटेल ने बांटे हैं।

सोमवार को राजापुर एसडीएम प्रमोद कुमार झां, तहसीलदार संजय अग्रहरि व मऊ तहसील के बियावल गांव में 18 लोगों को मानिकपुर विधायक अविनाशचन्द्र द्विवेदी ने कृषि निवेश अनुदान राशि के प्रमाण पत्र बांटे हैं। इस मौके पर मऊ एसडीएम नवदीप शुक्ला, मऊ तहसीलदार शशिकान्त मणि, नायब तहसीलदार घासीराम व क्षेत्र के किसान मौजूद रहे।

एडीएम कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि बाढ से मऊ तहसील क्षेत्र में 2835 किसानों की 1637 हे व राजापुर तहसील के 3045 किसानों की 999.50 हे फसलों की क्षति हुई है।

आपदा गाइडलाइन के अनुसार 68 सौ रुपये प्रति हे असिंचित क्षेत्र व 13500 रुपये प्रति हे सिंचित क्षेत्र में बोये रकबे की निर्धारित दर न्यूनतम सहायता राशि एक हजार रुपये से कम नहीं होगी। जिले के पात्र व प्रभावित किसानों को कृषि निवेश अनुदान जल्द बांटा जा रहा है।

तहसीलदार के जन्मदिन पर स्कूली बच्चों के चेहरे खिले

चित्रकूट। मानिकपुर के तहसीलदार राजेश यादव ने अपना जन्मदिन अजब अंदाज में रुकमाबुजुर्ग स्थित अपने गोद लिए गांव के प्राथमिक विद्यालय नयापुरवा में मनाया।

सोमवार को मानिकपुर के तहसीलदार राजेश यादव जब रुकमाबुजुर्ग स्थित अपने गोद लिए गांव के प्राथमिक विद्यालय नयापुरवा पहुंचे तो बच्चों ने उनका स्वागत अपने अंदाज में किया। बच्चों ने स्कूल में ही केक काटा और उन्हें प्यारे-प्यारे गिफ्ट भी दिये। खास बात ये रही स्कूल में तहसीलदार राजेश यादव की ओर से बच्चों के लिए मध्यान्ह भोजन बनवाया गया। सरकारी स्कूल में बच्चों का प्यार और स्नेह पाकर तहसीलदार राजेश यादव भावुक हो उठे। उन्होंने कहा कि आज जन्मदिन पर असली गिफ्ट बच्चों के स्नेह से मिला है।

यूं तो लोग अपना जन्मदिन किसी शानदार होटल या घर या बडी पार्टी करके मनाते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अपनी खुशियां दूसरों के साथ बांटकर जन्मदिन मनाते हैं। जन्मदिन के माध्यम से समाज को नया संदेश देने का प्रयास करते हैं। समाज के जिम्मेदार व्यक्ति के बतौर मानिकपुर तहसीलदार राजेश यादव ने भी कुछ इसी अंदाज में जन्मदिन मनाया।

सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद विनेश फोगाट बोली, हम खिलाड़ी है रोबोट नहीं

नई दिल्ली। विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने के बाद सोशल मीडिया पर हुई आलोचना को निराशाजनक करार देते हुए भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने कहा कि 'खिलाड़ी रोबोट नहीं होते है'। विनेश ने इसके साथ ही साथी खिलाड़ियों से मेहनत जारी रखने को कहा ताकि इस तरह की आलोचना की संस्कृति को खत्म किया जा सके।

विनेश ने बेलग्रेड में पिछले सप्ताह 53 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। उन्होंने विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में दो पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाली देश की पहली महिला पहलवान है। वह क्वालीफिकेशन दौर में मंगोलिया की खुलान बटखुयाग से जिस तरह से 0-7 की हारी उसकी सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हुई। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए रेपेचेज में दो दौर के बाद कांस्य पदक मुकाबले को बिना अंक गंवाए अपने नाम किया। यह 28 साल की खिलाड़ी हालांकि सोशल मीडिया पर हुई आलोचना से काफी आहत है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में लिखा, 'खिलाड़ी भी इंसान होते है। खिलाड़ी होने का यह मतलब नहीं कि हम किसी भी टूर्नामेंट में रोबोट की तरह काम करें। मुझे यह नहीं पता कि यह संस्कृति सिर्फ भारत में ही है या और जगह भी

है। जहां लोग घर में बैठकर ही विशेषज्ञ बन जाते है।' उन्होंने लिखा, 'व्यक्ति पेशेवर हो या नहीं उसने अपने सफर में कई कठिनाइयों, संघर्षों और चुनौतियों का सामना किया होता है। वे टिप्पणी नहीं करते, आलोचना करते है। वह आलोचना करते समय खुद को पेशेवर करियर के विशेषज्ञ समझने लगते है।' विनेश ने एथलीटों की लगातार आलोचना पर सवाल उठाते हुए कहा, 'हम एथलीट के रूप में हर चीज के लिए जवाबदेह क्यों हैं। एथलीटों को समर्थन और प्रोत्साहन के बजाय उसके प्रशिक्षण को लेकर टिप्पणियों का सामना क्यों करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'यह बहुत हतोत्साहित करने वाला होता है जब लोग यह मान लेते हैं कि वे इस पर टिप्पणी कर सकते हैं कि एथलीटों को अपना करियर कब समाप्त करना चाहिए, कब खेलना चाहिए और कब नहीं खेलना चाहिए।' उन्होंने लिखा, '' एक जीत का मतलब हमेशा यह नहीं होता है कि एक एथलीट ने कुछ अतिरिक्त असाधारण किया है और हार का मतलब यह नहीं है कि एथलीट ने उस खेल के दौरान कोशिश नहीं की है। जीत और हार हर एथलीट की यात्रा का एक हिस्सा है और एथलीट हर बार कड़ी मेहनत करते हैं।'

विनेश कहा कि आलोचकों को खिलाड़ियों के प्रयासों और संसाधनों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती है। उन्होंने कहा, 'इन चीजों पर टिप्पणी करना बहुत आसान है क्योंकि उनके लिए यह मैच देखने जीवन के सिर्फ एक दिन के बारे है। उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि उस समय खिलाड़ी की मानसिक स्थिति, खासकर मुश्किल समय में कैसी है।' उन्होंने कहा, 'सोशल मीडिया प्रशंसकों और समर्थकों से जुड़ने का शानदार मंच रहा है लेकिन अब इसका इस्तेमाल नकारात्मक आलोचनाओं को फैलाने के लिए हो रहा है।' विनेश ने साथी भारतीय एथलीटों को सपने देखते रहने और कड़ी मेहनत करने के लिए कहा और उम्मीद जताई कि अनावश्यक आलोचना समाप्त हो जाएगी। उन्होंने लिखा, 'यहां मेरे सभी साथी एथलीटों के लिए है, जो एक कठिन यात्रा के माध्यम से खुद को बार-बार साबित करते है और लोगों से डरे बिना अपने सपने के प्रति हौसला दिखाने का साहस रखते हैं'। उन्होंने कहा, 'मेरे प्रिय एथलीटों, हम सब एक ही जगह पर हैं और हमारी यात्रा एक जैसी है। उम्मीद है हम अपने निरंतर प्रयासों, साहस और समर्पण के साथ किसी दिन इस संस्कृति को बदलने की कोशिश करेंगे।'

विश्व कप से पहले मध्यक्रम और छठे गेंदबाज का मसला सुलझाने उतरेगा भारत

मोहाली । भारत मंगलवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली तीन टी20 मैचों की श्रृंखला में सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप से पहले अपने उचित संयोजन विशेषकर मध्यक्रम से जुड़े मसले को सुलझाने का प्रयास करेगा।

विश्व कप से पहले होने वाले छह मैचों में कुछ तेज गेंदबाजों को भले ही विश्राम दिया गया है लेकिन इसे छोड़कर भारत अपनी मजबूत टीम के साथ ही उतर रहा है। आस्ट्रेलिया के बाद भारत तीन मैचों के लिए दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करेगा।

टी20 प्रारूप में लचीलापन बनाये रखना महत्वपूर्ण होता लेकिन कप्तान रोहित शर्मा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि आस्ट्रेलिया में होने वाली आईसीसी प्रतियोगिता से पहले उनके खिलाड़ी सभी सवालों का जवाब ढूंढने का प्रयास करेंगे। भारत ने भले की एशिया कप में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उसने इस दौरान कई बदलाव भी किए। भारत की गेंदबाजी की कमजोरियां भी इस टूर्नामेंट में खुलकर सामने आई, लेकिन हर्षल पटेल और जसप्रीत बुमराह की वापसी से आक्रमण को मजबूती मिली है। रोहित ने साफ कर दिया कि विश्व कप में उनके साथ केएल राहुल ही पारी का आगाज करेंगे लेकिन यहां संभावना है कि उनके साथ विराट कोहली पारी की शुरुआत करने के लिए उतरें। अपनी पिछली टी20 पारी में शतक जड़ने वाले कोहली को सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा जा सकता है।

भारतीय बल्लेबाजी क्रम में चोटी के चार बल्लेबाज तय हैं लेकिन अभी यह तय नहीं है कि अंतिम एकादश में विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत को चुना जाएगा या दिनेश कार्तिक को। रविंद्र जडेजा के चोटिल होने के कारण

भारत पंत को बायें हाथ का बल्लेबाज होने के कारण कार्तिक पर तरजीह दे सकता है। कार्तिक 'फिनिशर' की भूमिका के लिए टीम में लिए गए हैं। उन्हें एशिया कप में बल्लेबाजी का बमुश्किल मौका मिला था लेकिन टीम प्रबंधन अगले दो सप्ताह में उन्हें क्रीज पर कुछ समय बिताने का अवसर दे सकता है। दीपक हुड्डा एशिया कप में सुपर चार के सभी मैचों में खेले थे लेकिन टीम में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टता नहीं है। एशिया कप के दौरान जडेजा की चोट के कारण टीम में गेंदबाजी संतुलन बिगड़ गया था। भारत को पांच गेंदबाजों के साथ खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा और उसके पास गेंदबाजी में छठा विकल्प नहीं था। अगर भारत हार्दिक पंड्या और जडेजा की जगह लिए गए अक्षर पटेल को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास अतिरिक्त गेंदबाजी विकल्प होगा।

बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल और हार्दिक के तेज गेंदबाजी आक्रमण के साथ अक्षर और युजवेंद्र चहल के रूप में दो स्पिनर हो सकते हैं। आस्ट्रेलिया की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर ही टीम प्रबंधन इन मैचों के लिए टीम संयोजन तैयार करेगा। दूसरी तरफ आस्ट्रेलिया डेविड वार्नर सहित कुछ प्रमुख खिलाड़ियों के बिना भारत आया है। वार्नर को विश्राम दिया गया है जबकि मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस और मिशेल मार्श को चोटों से उबरने का समय दिया गया है। सभी का ध्यान कप्तान आरोन फिंच पर होगा जिन्होंने लगातार लचर प्रदर्शन के कारण हाल में वनडे से संन्यास ले लिया था। वह विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करने की कोशिश करेंगे। एक अन्य खिलाड़ी टिम डेविड पर भी सभी की नजरें टिकी होंगी जो सिंगापुर की तरफ से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के बाद आस्ट्रेलिया की तरफ से पदार्पण करेंगे।

टीम इस प्रकार हैं:

आस्ट्रेलिया: सीन एबॉट, एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, आरोन फिंच (कप्तान), कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, स्टीव स्मिथ, मैथ्यू वेड, एडम ज़म्पा।

भारत: रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुड्डा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, दीपक चाहर, जसप्रीत बुमराह, उमेश यादव।

पाकिस्तान में 16 लाख बच्चे बाढ़ से प्रभावित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में यूनिसेफ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि अनुमानित 16 मिलियन बच्चे बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और कम से कम 34 लाख लड़कियों और लड़कों को तत्काल, जीवनरक्षक

सहायता की जरूरत है। डॉन अब्दुल्ला फादिल ने एक बयान में, जिन्होंने हाल ही में सिंध के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की दो दिवसीय यात्रा समाप्त की, ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति बेहद गंभीर है, जहां कुपोषित बच्चे डायरिया, डेंगू फीवर और कई त्वचा रोगों से जूझ रहे हैं। फादिल ने कहा कि बाढ़ ने अब कम से कम 528 बच्चों की जान ले ली है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहायता का सिलसिला जारी है। जापान सरकार ने 70 लाख डॉलर की सहायता देने की घोषणा की, जबकि कनाडा सरकार ने बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए 30 लाख डॉलर देने का वादा किया। यूनिसेफ के प्रतिनिधि के हवाले से कहा, दुखद वास्तविकता यह है कि समर्थन और सहायता तक पहुंच न हो पाने के कारण कई और बच्चे अपनी जान गंवा देंगे।

फादिल ने कहा, बहुत सी माताएं कुपोषित हैं, जिसके चलते वह बेहद कम वजन के बच्चों को जन्म दे रही हैं। वे स्तनपान कराने में असमर्थ हैं। कई परिवारों के बच्चे सड़कों के किनारे ऊंची जमीन के ढलानों पर आश्रय लेने के लिए मजबूर है। क्षेत्र में सांप, बिच्छू और मच्छरों का खतरा हमेशा बना रहता है।

अमेरिका के कोलोरैडो में हवा में टकराए 2 छोटे विमान, 3 की मौत

लॉस एंजेलिस। अमेरिकी राज्य कोलोराडो में दो छोटे विमान हवा में टकरा गए। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। बोल्डर काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह

8:54 बजे पहली बार टकराव की सूचना मिली। यूएस नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड ने एक ट्वीट में पुष्टि की कि वह कोलोराडो के लॉन्गमोंट के पास सेसना 172 और सोनेक्स जेनोस विमान की हवा में टक्कर की जांच कर रहा है। समाचार एजेंसी ने शेरिफ कार्यालय के हवाले से बताया कि पहले प्रतिक्रियाकर्ताओं ने दो अलग-अलग दुर्घटना स्थलों की खोज की। शेरिफ के कार्यालय ने एक में बयान कहा, पहला दुर्घटनाग्रस्त विमान दक्षिण की ओर निवोट रोड के 10,000 ब्लॉक में पाया गया था। इस समय विमान में दो लोगों की मौत की पुष्टि हुई। शेरिफ के कार्यालय ने कहा, दूसरा दुर्घटनाग्रस्त विमान उत्तर की ओर निवोट रोड के 9,700 ब्लॉक में पाया गया था। उसमें सवार एक की भी मौत हो गई। अधिकारियों ने कहा कि घटना की जांच अभी जारी है।

कनाडा में गोलीबारी में घायल भारतीय छात्र की मौत, एक पुलिसकर्मी समेत दो लोगों की गई जान

टोरंटो। कनाडा के ओंटारियो में हुई गोलीबारी में घायल हुए भारतीय छात्र की मौत हो गई। इसके अलावा इस घटना में एक पुलिसकर्मी समेत दो अन्य लोगों की भी जान चली गई। हिल्टन क्षेत्रीय पुलिस सेवा (एचआरपीएस) की ओर से जारी किए गए बयान में बताया गया कि मिल्टन में पिछले सोमवार को हुई गोलीबारी में एक भारतीय छात्र घायल हो गया था। उसकी पहचान सतविंदर सिंह के रूप में हुई थी। पुलिस ने बताया, हैमिल्टन सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

इंग्लैंड में हिंदू-मुसलमानों की झड़प :लीसेस्टर शहर में लाठी-डंडे लेकर उतरी भीड़; पुलिस पर कांच की बोतलें फेंकी, दो हिरासत में

लंदन। ब्रिटेन के लीसेस्टर में एक बार फिर पाकिस्तानी मुस्लिमों और हिंदुओं के बीच झड़प का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, यहां रविवार को अचानक दो समुदायों की भीड़ इकट्ठा हो गई और वे प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान पुलिस ने भीड़ रोकने की कोशिश की, तो उन पर कांच की बोतलें भी फेंकी गईं। लाठी- डंडों से लैस भीड़ ने संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया।

मुस्लिम और हिंदू कम्युनिटी के लोगों के बीच तनाव की शुरुआत एशिया कप में पाकिस्तान की हार से शुरू हुई थी। 28 अगस्त को एशिया कप में भारत की क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान को हरा दिया था। इसके बाद 6 सितंबर को लीसेस्टर में गुस्साए पाकिस्तानी मुसलमानों ने हिंदुओं पर हमला कर दिया।

लंदन से 160 किमी दूर है लीसेस्टर शहर

रिपोर्ट के मुताबिक, हुई झड़प के बाद पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में ले लिया है। लीसेस्टर शहर लंदन से महज 160 किमी दूर है। लीसेस्टर पुलिस के चीफ कॉन्स्टेबल रॉब निक्सन ने कहा- हमें पूर्वी लीसेस्टर में तनाव की जानकारी मिली है।

हालात पर काबू पाने के लिए अधिक संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। इन

पुलिसकर्मियों को लोगों को रोककर जांच करने के अधिकार दिए गए हैं। निक्सन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। आने वाले कई दिनों तक इलाके में पुलिस की तैनाती जारी रहेगी।

चश्मदीद ने बताया- भीड़ ने पुलिस पर बोतलें फेंकी

हिंसा के दौरान मौजूद एक महिला चश्मदीद ने बताया कि लोगों ने काले रंग का मास्क पहना हुआ था। उनके पूरे चेहरे ढके हुए थे और उन्होंने हुड लगा रखे थे। ऐसा लग रहा था कि फुटबॉल मैच देखने के बाद कोई भीड़ लौट रही है।

पुलिस ने रोड पर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। पुलिस भीड़ को पीछे ढकेलने की कोशिश कर रही थी, जबकि भीड़ कांच की बोतलें और कई अन्य चीजें फेंक रही थी। 28 अगस्त से शुरू हुए तनाव के बाद अलग-अलग अशांति के मामलों में लीसेस्टर शहर में अब तक 27 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

धार्मिक इमारत के ऊपर लगे झंडे उतारने की घटना

चीफ कॉन्स्टेबल निक्सन ने बताया कि हमें एक वायरल वीडियो की जानकारी मिली है, जिसमें एक शख्स लीसेस्टर के मेल्टन रोड पर एक धार्मिक इमारत के बाहर लगे झंडे को हटाते दिख रहा है। ऐसा लगता है कि यह घटना तब हुई होगी, जब पुलिस अफसर इलाके में अव्यवस्था से निपट रहे थे। इस घटना की जांच की जाएगी।

राष्ट्रपति बाइडेन की चीन को चेतावनी- अगर ताइवान पर हमला किया तो अमेरिका करेगा उसकी रक्षा

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिर कहा है कि चीन के हमले करने की स्थिति में अमेरिका ताइवान की रक्षा करेगा। एक सीबीएस साक्षात्कार में जब श्री बाइडेन से पूछा गया कि क्या चीन के ताइवान पर हमला करने पर अमेरिकी सेना ताइवान की रक्षा करेगी। इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने हामी भरते हुए 'हां' में जवाब दिया। यह साक्षात्कार रविवार को प्रसारित हुआ जिसके बाद व्हाइट हाउस ने दोहराया कि अमेरिकी नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की नीति हमेशा 'रणनीतिक अस्पष्टता' में से एक रही है। अमेरिका ताइवान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं है, लेकिन विकल्प को भी खारिज नहीं करता है। ताइवान पूर्वी चीन के तट पर एक स्व-शासित द्वीप है जिसे चीन अपने क्षेत्र के रूप में दावा करता है। अमेरिका लंबे समय से इस मुद्दे पर कूटनीतिक सख्ती बरते हुए है। एक ओर यह चीन नीति का पालन करता है, जो

चीन के साथ उसके संबंधों का आधार भी है। श्री बाइडेन ने दिए अपने एक घंटे के साक्षात्कार में इसे दोहराया। उन्होंने कहा कि एक चीन की नीति है और ताइवान अपनी स्वतंत्रता पर अपने निर्णय स्वयं लेता सकता है। हम आगे नहीं बढ़ रहे हैं, उन्हें चीन से आजादी पाने के लिए प्रोत्साहित नहीं कर रहे हैं - 'यह ताइवान का अपना निर्णय इस बार भी व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी किया, ''राष्ट्रपति ने यह पहले भी कहा है, जिसमें इस साल की शुरुआत में टोक्यो भी शामिल है। उन्होंने तब भी स्पष्ट किया था कि हमारी ताइवान नीति नहीं बदली है। यह सच है।'' पर एक साल में यह तीसरी बार है कि जब राष्ट्रपति बाइडेन अक्टूबर 2021 में और फिर इस साल मई में सैन्य कार्रवाई के वादे का संकेत देने में आधिकारिक रुख से कायम हैं। इस महीने की शुरुआत में अमेरिका ने ताइवान को रक्षा के लिए 1.1 अरब डालर के हथियार और मिसाइल बेचने पर सहमति दी थी, जिसके बाद से चीन का गुस्सा सातवें आसमान पर है। गौरतलब है कि अमेरिकी संसद की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी के अगस्त में द्वीप का विवादास्पद दौरा करने के बाद अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ गया। इसके बाद श्री बाइडेन ने कहा था कि चीन की इस तरह की प्रक्रिया अच्छी नहीं है। बाइडने ने कल के साक्षात्कार में कहा कि रूस को यूक्रेन में युद्ध में रासायनिक या सामरिक परमाणु हथियारों का उपयोग नहीं करने की चेतावनी भी दी गई है।

यूक्रेन : इजियम शहर के पास कब्रों से निकाले गए 440 से ज्यादा शव

कीव। यूक्रेन के अधिकारियों ने हाल ही में रूस के कब्जे से मुक्त हुए इजियम शहर के पास स्थित एक जंगल में दबे 440 से अधिक शवों को निकाला है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 100 यूक्रेनी आपातकालीन सेवा कर्मियों ने जमीन को खोदा और शवों को बाहर किया। अब वे मौत के कारण का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खार्किव क्षेत्र के अभियोजक ओलेक्सेंडर इलेनकोव का मानना है कि युद्ध अपराध किए गए थे।

उन्होंने बीबीसी को बताया कि रूसी सैनिकों के कारण लगभग सभी लोग मारे गए, ÷पहली कब्र में एक नागरिक के शव की गर्दन पर रस्सी थी, जिसके चलते उसकी मौत के पीछे का कारण यातना माना जा रहा है। वहीं कुछ रूसी संघ के हवाई और तोपखाने के हमलों के कारण लोग मारे गए हैं।'

रिपोर्ट के अनुसार, कुछ कब्रों पर नाम लिखे गए थे, लेकिन अधिकांश पर केवल एक

संख्या ही अंकित थी। पुलिस ने कब्रों की संख्या 445 बताई है, लेकिन सही संख्या अभी भी स्पष्ट नहीं है क्योंकि कुछ कब्रों में एक से अधिक शव हैं।

अभियोजकों ने कहा है कि कुछ रूसी गोलाबारी से मारे गए थे और अन्य हवाई हमले के शिकार हुए थे, जिसमें 47 लोग मारे गए थे। एक सोशल मीडिया पोस्ट में राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, 'पूरी दुनिया को इसे देखना चाहिए।' उन्होंने कहा, 'एक ऐसी दुनिया जिसमें क्रूरता और आतंकवाद नहीं होना चाहिए। लेकिन यह सब वहां है और इसका नाम रूस है। इजियम में सामूहिक दफन स्थल पर 400 से अधिक शव पाए गए।' अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, 'हम यूक्रेन में रूसी सेना द्वारा किए गए युद्ध अपराधों और अत्याचारों का दस्तावेजीकरण करना और सक्रिय रूप से सहायता करना जारी रखेंगे।'

इटली में अचानक आई बाढ़ से 10 लोगों की मौत

रोम। इटली के मार्चे क्षेत्र में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और चार अन्य का कोई पता नहीं चल पाया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, तेज आंधी ने मार्चे और आसपास के इलाकों में तबाही मचा दी। जिससे अचानक बाढ़ आ गई, पेड़ उखड़ गए, घर नष्ट हो गए और वाहन तेज बहाव में बह गए। बचाव अधिकारियों ने बताया कि लापता चार लोगों में आठ साल का

एक बच्चा भी शामिल है। कैस्टेलोन डी सुसा शहर के मेयर कार्लो मैनफ्रेडी के अनुसार, बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में से एक इलाके में कार से जा रहे मां और बेटे बाढ़ में फंस गए, जिसमें मां तो बच गई, लेकिन बेटा तेज बहाव में बह गया। देर रात लापता लोगों में एक 17 वर्षीय लड़की और उसकी 56 वर्ष की मां भी शामिल है।

सोशल मीडिया पर जारी रिपोर्ट्स के मुताबिक, दर्जनों अन्य लोग घरों की छतों या पेड़ों पर चढ़कर बाढ़ से बचने की कोशिश कर रहे हैं। मध्य इटली के उम्ब्रिया, अब्रूजो, मोलिसे और लाज़ियो में और उत्तरी इटली के फ्रीउली वेनेज़िया गिउलिया, लोम्बार्डी और लिगुरिया में भी भारी वर्षा के साथ, मार्चे और टस्कनी के पड़ोसी क्षेत्र में गंभीर संपत्ति क्षति की सूचना मिली थी। राष्ट्रपति सर्जियो मटरेला और प्रधानमंत्री मारियो द्राघी ने बयान जारी किए। द्राघी ने शुक्रवार को कहा कि इस क्षेत्र को नुकसान की मरम्मत के लिए और त्रासदी से विस्थापित लोगों के लिए अस्थायी आवास स्थापित करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

ईरान में हिजाब विवाद और बढ़ा:पुलिस कस्टडी में युवती की मौत के बाद महिलाओं ने विरोध में अपने बाल काटे, हिजाब जलाए

तेहरान। ईरान में पुलिस कस्टडी में हुई महसा अमिनी की मौत के बाद राजधानी तेहरान में पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। महिलाएं विरोध जताते हुए अपने बाल काट रही हैं और हिजाब भी जला रही हैं। एक ईरानी महिला पत्रकार मसीह अलीनेजाद ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो शेयर किए हैं। इन वीडियोज में महिलाएं बाल काटते हुए और हिजाब को जलाते हुए दिख रही हैं। महिला पत्रकार ने वीडियो के साथ लिखा- ईरान की महिलाएं पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा अमिनी की मौत और हिजाब पहनना मेंडेटरी होने का विरोध ऐसे ही बाल काट कर और हिजाब जला कर दिखा रही हैं। मसीह ने लिखा- अगर लड़कियां 7 साल की उम्र के बाद अपना सिर कवर नहीं करती हैं तो उन्हें स्कूल जाने नहीं दिया जाता है और न ही उन्हें कहीं नौकरी मिलती है।

दक्षिण कोरिया में तूफान नानमाडोल ने मचाई तबाही, सैकड़ों पेड़ गिरे, 1 व्यक्ति घायल

सोल। दक्षिण-पूर्वी दक्षिण कोरिया में तूफान नानमाडोल की वजह से आई तेज हवाओं के कारण सैकड़ों पेड़ गिर गए और बिजली गुल हो गई, जिससे एक व्यक्ति घायल हो गया। अन्य लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी योनहाप ने केंद्रीय आपदा और सुरक्षा काउंटरमेशर्स मुख्यालय का हवाला देते हुए बताया कि 960 हेक्टोपास्कल के केंद्रीय वायुमंडलीय दबाव और 39 मीटर प्रति सेकंड (एमपीएस) की अधिकतम हवा की गति के साथ, इस साल का 14वां तूफान जापान के कागोशिमा के पास से 18 किमी प्रति घंटे की गति से सुबह 6 बजे उत्तर की ओर बढ़ा था।

नानमाडोल के दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर बुसान के सबसे करीब सुबह 10 बजे आने की उम्मीद है।

तूफान के कारण बुसान और उल्सान समेत दक्षिण कोरिया के ग्योंगसांग क्षेत्र में लगभग 50 मिलीमीटर

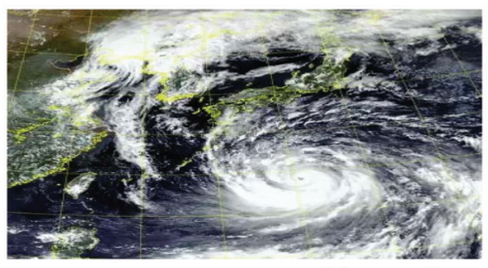

बारिश हुई। बुसान में 33.9 एमपीएस तक की तेज हवाएं चलीं।

बुसान में मेट्रो स्टेशन पर गमला गिरने से एक व्यक्ति मामूली रूप से घायल हो गया। उल्सान में रविवार रात से सोमवार सुबह के बीच सैकड़ों घरों में तीन घंटे तक बिजली गुल रही। उत्तर ग्योंगसांग प्रांत, बुसान और अन्य जगहों के 620 घरों के कुल 772 लोग सुरक्षा कारणों से सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं, जबकि बुसान और उल्सान में 101 घरों में बिजली गुल हो गई है।

नानमाडोल के मद्देनजर 43 मार्गों पर लगभग 50 जहाजों का परिचालन निलंबित कर दिया गया है, जबकि 33 से अधिक ट्रेनों के शेड्यूल को रद्द या पुनर्निर्धारित किया गया है। कोरिया मौसम विज्ञान प्रशासन के अनुसार, दोपहर के दौरान, दक्षिण-पूर्वी ग्योंगसांग तट के आसपास के क्षेत्रों में 35 एमपीएस तक की हवाएं और 30 मिमी प्रति घंटे तक की बारिश देखने का अनुमान है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

भारत और सऊदी अरब ने रुपये-रियाल में व्यापार करने पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और सऊदी अरब ने रुपये और रियाल में व्यापार को संस्थागत रूप देने की व्यवहार्यता पर बातचीत की। इसके साथ ही यूनिफाइंड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) और रूपे कार्ड पेश किए जाने पर चर्चा की गई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

वाणिज्य मंत्रालय के सोमवार को जारी बयान के मुताबिक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के 18-19 सितंबर को दो दिवसीय रियाद यात्रा के दौरान यूपीआई और रूपे कार्ड पेश करने के साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। वाणिज्य मंत्री गोयल भारत-सऊदी अरब रणनीतिक भागीदारी परिषद की मंत्रिस्तरीय बैठक में शामिल हुए।

इस बैठक में पीयूष गोयल और सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री शहजादा अब्दुलअजीज बिन सलमान अल-सऊद ने परिषद के तहत अर्थव्यवस्था और निवेश पर समिति की मंत्रिस्तरीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। इस बैठक में व्यापार और वाणिज्य का दायरा बढ़ाने, व्यापार बाधाओं को दूर करने, सऊदी अरब में भारतीय औषधि उत्पादों के स्वतः पंजीकरण और विपणन मंजूरी, रुपये-रियाल व्यापार को संस्थागत बनाने की व्यवहार्यता, सऊदी अरब में यूपीआई और रूपे कार्ड की शुरूआत जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

श्रीलंका ने मेडिकल छात्रों के बारे में उक्रेन सरकार से मांगा ब्योरा

कोलंबो। श्रीलंका ने यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में कुप्यांस्क मेडिकल कॉलेज से सात श्रीलंकाई छात्रों के रेस्क्यू किए जाने की खबर पर यूक्रेनी सरकार और नई दिल्ली में यूक्रेनी दूतावास से अधिक जानकारी मांगी है। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने यूक्रेन में श्रीलंकाई नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने की आवश्यकता को देखते हुए यूक्रेनी सरकार से समाचार की सत्यता का पता लगाने और प्राथमिकता के आधार पर इस पर अधिक जानकारी देने का अनुरोध किया है। मंत्रालय अंकारा में श्रीलंका दूतावास के माध्यम से यूक्रेनी सरकार और नई दिल्ली में यूक्रेनी दूतावास के माध्यम से, इस मामले पर अधिक जानकारी प्राप्त करने की कोशिश कर रही है, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा। यूक्रेनी मीडिया ने राष्ट्रपति वोल्डोमिर जेलेंस्की के हवाले से कहा कि सात श्रीलंकाई छात्रों को यातना कक्षों से रेस्क्यू किया गया है; जहां यूक्रेन के खार्कीव क्षेत्र में रूसी सैनिकों ने नागरिकों के साथ दुर्व्यवहार किया था।

खार्कीव में, रूसी कब्जे से मुक्त क्षेत्रों में खोजी कार्रवाई जारी है। रूसियों के सभी अपराध दर्ज किए जा रहे हैं, और उनके अपराध के सबूत एकत्र किए जा रहे हैं। कब्जे

वाले शहरों और कस्बों के नागरिकों को धमकाया गया और यातना गृह में विदेशी भी रखे गए, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा था। श्रीलंका गणराज्य के सात नागरिक, जो कुप्यांस्क मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं, उन्हें बचाया गया है। मार्च में उन्हें रूसी सैनिकों ने पकड़ लिया था और बाद में एक तहखाने में उन्हें रखा गया था। खार्कीव की मुक्ति के बाद अब इन लोगों को बचाया गया है। उन्हें उचित चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा रही है, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा।

श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यूक्रेन के खिलाफ युद्ध छिड़ने के बाद यूक्रेन में रहने वाले 16 छात्रों सहित 90 से अधिक श्रीलंकाई लोगों की वापसी की सुविधा प्रदान की गई।